राष्ट्रबाण
मध्य भारत का लोकप्रिय दैनिक
।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

राष्ट्रबाण

पुणे. शहर में रात भर हुई बारिश के बाद, मौसम विभाग ने पुणे और उसके आसपास के इलाकों जैसे ठाणे, रायगढ़ और मुंबई में सोमवार को भारी बारिश की चेतावनी जारी की है. मौसम विभाग के अनुसार, पुणे, रायगढ़, सतारा और औरंगाबाद में भारी बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है, जिसके लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. वहीं, मुंबई शहर, उपनगरों और ठाणे के लिए भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है.

मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना

मौसम विभाग ने पुणे, मुंबई, ठाणे, रायगढ़, अहमदनगर, बीड और लातूर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. इन इलाकों में तेज हवाओं और गरज के साथ मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना है. नासिक, पालघर, जलना और नागपुर के लिए हल्की बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है.

देर रात हुई बारिश से शहर में जलभराव

पुणेमें देर रात हुई बारिश से शहर में जलभराव हो गया, जिसके बाद कई निवासियों ने एक्स पर स्कूल और कॉलेज बंद करने की मांग की. टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, मौसम विभाग के शिवाजीनगर वेधशाला ने 13 .8 मिमी बारिश, तलेगांव (15 मिमी), हडपसर (13 .5 मिमी) और मगरपट्टा (10 मिमी) बारिश दर्ज की है.

महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में चेतावनी

मौसम विभाग ने रविवार को महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों के लिए इस सप्ताह भारी बारिश की चेतावनी जारी की है. मौसम विभाग ने कहा है कि 16 सितंबर को कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है. 14 और 15 सितंबर को कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में भारी बारिश होने की संभावना है.

हैदराबाद में तबाही लेकर आई बारिश

UP-बिहार तक पसरा सन्नाटा, दिल्ली-NCR में मौसम सुहाना

भारत में जुलाई का महीना मानसून का पिक होता है. इस महीने में देश भर में खूब बारिश होती है. खासकर, उत्तर भारत में. कई राज्यों में बारिश हुई भी. हालांकि, बिहार समेत कुछ राज्य हैं, जो औसत बारिश के लिए आसमान देख रहे हैं. हालात में कोई सुधार होते नहीं दिख रहा है. मानसून का पैटर्न बदल रहा है. एक बार फिर से मानसून दक्षिण भारत और पश्चिमी तट कि ओर बढ़ रहा है. मौसम विभाग ने बताया कि आज मुंबई, केरल और मुंबई के इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है.मौसम विभाग ने बताया कि झारखंड, छत्तीसगढ़, मराठवाड़ा, तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक, पश्चिम राजस्थान, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर भारत में हल्की से मध्यम बारिश संभव है.

मणिपुर में भारी बारिश के बाद हालात हुए बेकाबू

सैंकड़ों परिवार हुए बेघर

मणिपुर में बीते चार दिनों से हो रही लगातार बारिश की वजह से कई जगहों पर बाढ़ ला दी है. नदियां उफान पर आ गई हैं और लोग अपने घर छोड़ सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर हुए. इरिल और थौबल नदियों के किनारे वाले क्षेत्र पूरी तरह से जलमग्न हो गए. मौसम पूर्वानुमान के अनुमान के अनुसार, आने वाले तीन-चार दिन बारिश से राहत मिलती नहीं दिख रही है.

यूपी-बिहार में मूसलाधार बारिश का अलर्ट

भारत मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि अगले दो-तीन दिनों में पूर्वोत्तर भारत और महाराष्ट्र के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश हो सकती है. IMD ने बताया कि अगले दो दिनों में राजस्थान के कुछ हिस्सों, पंजाब और गुजरात से दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की वापसी के लिए अनुकूल हालात हैं, जिससे एक बार फिर मॉनसून की वापसी हो सकती है. वहीं पश्चिम बंगाल के उप-हिमालयी इलाकों और कोंकण क्षेत्र में कुछ स्थानों पर 21 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश दर्ज की गई. उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, असम, झारखंड, बिहार, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में बहुत भारी बारिश रिकॉर्ड हुई है.

'भारत बातचीत की टेबल पर'

व्यापार वार्ता से पहले नवारो का बड़ा दावा

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. अमेरिका से टैरिफ वॉर के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और व्यापार सलाहकार पीटर नवारो भारत विरोधी बयानों के लिए लगातार चर्चा में हैं. इस बार नवारो ने एक और नया दावा किया है. उन्होंने मंगलवार को नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच होने वाली व्यापार वार्ता से ठीक पहले कहा है कि 'भारत 'बातचीत की टेबल पर आ रहा है', जैसा कि न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने एक इंटरव्यू के हवाले से बताया है.

भारत-US के बीच होगी बैठक

भारत-अमेरिका के बीच यह वार्ता राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारतीय निर्यात पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगाने के कुछ हफ़्ते बाद हो रही है, जिससे अगस्त में देश का निर्यात नौ महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया था.

अमेरिका की तरफ से 50 फीसदी टैरिफ के चलते अगस्त में स्थगित हुई दोनों देशों के बीच छठे दौर की बातचीत मंगलवार को होगी. इसके लिए अमेरिकी वार्ताकार सोमवार को नई दिल्ली पहुंचने वाले हैं.भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल ने इस घटनाक्रम की पुष्टि की है. उन्होंने व्यापार आंकड़े जारी करने के एक कार्यक्रम में कहा, 'भारत और अमेरिका व्यापार वार्ता को तेज़ गति देंगे. लेकिन उन्होंने ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया. राजेश अग्रवाल ने बताया कि दक्षिण एशिया के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच चर्चा के लिए मंगलवार को नई दिल्ली की एक दिवसीय यात्रा पर आएंगे.एक हफ़्ते पहले, व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा था कि भारत को अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में किसी न किसी मोड़ पर आना ही होगा, वरना यह दिल्ली के लिए 'अच्छा नहीं होगा'. नवारो ने 'रियल अमेरिकाज़ वॉयस' शो को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि भारत सरकार उनसे नाराज़ है और उन्होंने भारत को टैरिफ़ का 'महाराजा' बताया था. नवारो ने आगे कहा, 'दुनिया के किसी भी बड़े देश की तुलना में अमेरिका पर भारतीय टैरिफ सबसे ज़्यादा है.

फास्ट ट्रॅक

अब तक 7 करोड़ लोग कर चुके हैं ITR दाखिल

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) फाइलिंग की अंतिम तारीख 15 सितंबर है. 16 सितंबर से जुर्माने के साथ ITR फाइलिंग की सुविधा उपलब्ध होगी. इस बीच आयकर विभाग ने सोमवार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 (असेसमेंट ईयर 2025-26) के लिए अब तक 7 करोड़ से ज्यादा आयकर रिटर्न (ITR) दाखिल किए जा चुके हैं. दरअसल, आयकर विभाग की वेबसाइट पर पिछले कुछ दिनों से भारी ट्रैफिक है, क्योंकि अंतिम तारीख 15 सितंबर है. इस बीच विभाग ने बताया कि 15 सितंबर की शाम तक करीब 7 करोड़ लोग ITR दाखिल कर चुके हैं. हालांकि इस बीच कुछ लोग सोशल मीडिया पर अपनी परेशानी लिख रहे हैं.

आज भारत पहुंच रही है अमेरिकी टीम

कल ट्रेड पर होगी बैठक

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर बात बनती हुई नजर आ रही है. कई मुद्दों को लेकर दोनों देशों के बीच ये समझौता अटकी हुआ था, लेकिन अब बातचीत फिर से शुरू होने वाली है. रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बीते दिनों राहत भरी बात के कुछ दिन बाद ही डील के आगे बढ़ने के संकेत मिले हैं. इसके लिए

अमेरिकी मुख्य वार्ताकार सोमवार देर रात भारत आ रहे हैं. बता दें कि पहले अमेरिकी टीम अगस्त में आने वाली थी, लेकिन टैरिफ के चलते बैठक रद्द हो गई थी.

अमेरिका से ब्रेंडन लिंच आ रहे भारत!

डोनाल्ड ट्रंप और पीएम मोदी के बीच सोशल मीडिया पर हुई मीठी-मीठी बातों के बाद भारत-अमेरिका ट्रेड डील फिर से आगे बढ़ती हुई नजर आने लगी है. पीटीआई की रिपोर्ट में वाणिज्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा गया कि व्यापार समझौते के लिए भारत-अमेरिका वार्ता पटरी पर लौट रही है. उन्होंने कहा कि अमेरिकी मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच एक दिवसीय दौरे पर सोमवार (15 सितंबर) की रात भारत पहुंच रहे हैं. वे दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि हैं और मंगलवार को अपने भारतीय समकक्ष, वाणिज्य विभाग के विशेष सचिव राजेश अग्रवाल के साथ औपचारिक रूप से ट्रेड डील को लेकर बात करेंगे. बता दें कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए 5 दौर की बातचीत हो चुकी है और मंगलवार को छठे दौर की वार्ता होगी. भारत आ रहे ब्रेंडन लिंच 15 देशों के संबंध में अमेरिकी व्यापार नीति के विकास और कार्यान्वयन की देखरेख करते हैं, जिसमें अमेरिका-भारत व्यापार नीति मंच (टीपीएफ) का प्रबंधन भी शामिल है.

टिकटॉक पर ट्रम्प-शी की बातचीत, सहमति के संकेत

राष्ट्रबाण

वाशिंगटन. अमेरिकी और चीनी अधिकारियों के बीच एक बैठक अच्छी रही और ₹एक 'खास' कंपनी जिसे हमारे देश के युवा बचाना चाहते थे₹ के बारे में एक समझौता हुआ, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को अपनी सोशल मीडिया साइट पर पोस्ट किया. ट्रम्प की टिप्पणी से पता चलता है कि यह कंपनी टिकटॉक है, जो चीन से जुड़ी एक सोशल मीडिया कंपनी है और अमेरिकी कानून के अनुसार इसे बेचना होगा या फिर परिचालन बंद करना होगा.

चीनी सरकार ने अभी तक ट्रम्प के बयानों की पुष्टि नहीं की है

ट्रम्प के इस पोस्ट का आधार स्पेन में अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की चीनी अधिकारियों के साथ हुई एक बैठक है, जिसमें चीनी उप-प्रधानमंत्री ही लिफेंग भी शामिल थे, और ट्रेजरी विभाग के एक बयान के अनुसार, टिकटॉक एक विषय होने वाला था. जो बाइडेन के डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान, कांग्रेस और व्हाइट हाउस ने राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर TikTok पर अमेरिकी प्रतिबंध को मंज़ूरी दे दी, बशर्ते कि इसकी मूल कंपनी, बाइटडांस, अपनी नियंत्रक हिस्सेदारी न बेच दे. TikTok, पिछले एक दशक में ByteDance द्वारा विकसित 100 से ज़्यादा ऐप्स में से एक है. ByteDance एक तकनीकी कंपनी है जिसकी स्थापना 2012 में चीनी उद्यमी झांग यिमिंग ने की थी और जिसका मुख्यालय बीजिंग के उत्तर-पश्चिमी हैडियन ज़िले में है.

2016 में, ByteDance ने चीन में Douyin नाम से एक शॉर्ट-फॉर्म वीडियो प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च किया और उसके बाद TikTok नाम से एक अंतर्राष्ट्रीय संस्करण लॉन्च किया. इसके बाद, इसने अमेरिका और यूरोप में किशोरों के बीच लोकप्रिय लिप-सिंकिंग प्लेटफ़ॉर्म Musical.ly को खरीद लिया और इसे TikTok के साथ मिला दिया, जबकि ऐप को Douyin से अलग रखा. इसके तुरंत बाद, इस ऐप की लोकप्रियता अमेरिका और कई अन्य देशों में तेज़ी से बढ़ी और यह पश्चिमी देशों में गंभीर पैठ बनाने वाला पहला चीनी प्लेटफ़ॉर्म बन गया. उपयोगकर्ताओं के बीच संबंध बनाने पर केंद्रित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के विपरीत, TikTok ने लोगों की रुचियों के अनुसार सामग्री तैयार की. कंटेंट क्रिएटर्स द्वारा पोस्ट किए जाने वाले अक्सर बेतुके वीडियो और संगीत क्लिप ने Tik-Tok को इंटरनेट के एक ऐसे कोने के रूप में स्थापित कर दिया जहाँ उपयोगकर्ता मनोरंजन और प्रामाणिकता का अनुभव कर सकते थे.

नेपाल में भड़की 'आग' के पीछे अमेरिका का हाथ?

CIA के पुराने कारनामों से उठे सवाल, GEN-Z ने डिकोड किया पैटर्न

राष्ट्रबाण

काठमांडू. नेपाल में फिलहाल राजनीतिक संकट जारी है, प्रधानमंत्री केपी ओली को सिर्फ दो दिन के भीतर पद से इस्तीफा देना पड़ा. इसके बाद सेना के समर्थन से सुशीला कार्की की अगुआई में अंतरिम सरकार का गठन हुआ. इस पूरी घटना के पीछे अमेरिका के गुप्त हस्तक्षेप को लेकर सवाल उठ रहे हैं. कई लोगों का मानना है कि सीधे तौर पर अमेरिका की संलिप्तता सामने नहीं आई, लेकिन मौन सहमति और समर्थन जरूर दिया गया. नेपाल में अमेरिका द्वारा अतीत में हस्तक्षेप करने की कई घटनाएं इस शक को और भी मजबूत बना रही हैं.

अमेरिका का नेपाल में पुराना हस्तक्षेप

संडे गार्जियन की रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका ने पहले भी नेपाल को अपने गुप्त अभियानों के लिए इस्तेमाल किया है. शीत युद्ध के दौरान चीन के खिलाफ अपनी रणनीति के तहत अमेरिका ने नेपाल से खुफिया जानकारी इकट्ठा करने, दुष्प्रचार अभियान चलाने और अर्धसैनिक गतिविधियां संचालित करने का काम किया था. 1971 में राष्ट्रपति निक्सन की सीक्रेट कार्रवाई कमेटी के दस्तावेजों में इन ऑपरेशनों का खुलासा हुआ था.

'हिंदुओं में बेटियां देवी बाकी धर्मों में बेबी'

रामकथा में स्वामी रामभद्राचार्य का बड़ा बयान

राष्ट्रबाण

लखनऊ. उत्तर प्रदेश के मेरठ के विक्टोरिया पार्क में जगद्गुरु रामभद्राचार्य की रामकथा चल रही है और इस कथा में उन्होंने एक ऐसा बयान दिया है जो चर्चा का विषय बन गया है. रामकथा के सातवें दिन रविवार को स्वामी रामभद्राचार्य ने समाज और शिक्षा पर बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में बेटियों को देवी माना जाता है, जबकि अन्य धर्मों में उन्हें बेबी कहा जाता है.

इस दौरान स्वामी रामभद्राचार्य ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि हिंदू समाज अपने बच्चों को कॉन्वेंट स्कूल या मदरसों की बजाय संस्कृत विद्यालयों में पढ़ाए. उन्होंने कहा कि मनुस्मृति में जातियां तो बनाई गई थीं.

पूर्णिया से ही क्यों शुरू किया PM मोदी ने बिहार अभियान?

BJP के सीमांचल रिपोर्ट कार्ड में है जवाब

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बिहार के पूर्णिया का दौरा किया, जहां भारतीय जनता पार्टी का ट्रैक रिकॉर्ड असमान रहा है. पिछले पांच विधानसभा चुनावों का जिलावार विश्लेषण बताता है कि पार्टी सीमांचल के चार जिलों: अररिया (6 सीटें), पूर्णिया (7 सीटें), कटिहार (7 सीटें) और किशनगंज (4) में प्रभुत्व और पतन के बीच झूलती रही है. 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में, भाजपा ने इस क्षेत्र की 11 सीटों पर चुनाव लड़कर 8 सीटें जीती थीं. इनमें अररिया और कटिहार से 3-3 सीटें, जबकि पूर्णिया से 2 सीटें भाजपा के खाते में गईं. किशनगंज जिले से भाजपा का कोई भी उम्मीदवार विजयी नहीं हुआ. 2015 के विधानसभा चुनाव में, भाजपा को इस क्षेत्र से 6 सीटें मिलीं. एक बार फिर, किशनगंज पार्टी के लिए फायदेमंद नहीं रहा- बाकी तीन जिलों ने पार्टी को 2-2 सीटें दीं.

पिछले विधानसभा चुनाव में कटिहार में भाजपा ने तीन सीटों पर चुनाव लड़ा था और सभी पर जीत हासिल की थी. जिले में कुल सात सीटें हैं. कटिहार में 2010 में भाजपा का स्ट्राइक रेट 100 प्रतिशत था. लेकिन 2015 में, जिले में स्थिति बिल्कुल अलग थी, जहां भगवा पार्टी का केवल 33 प्रतिशत स्ट्राइक रेट था.

कहां आ सकती है अड़चन?

इजरायल पर नाराज़गी, क्या अरब देश बनाएंगे इस्लामिक NATO ?

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. एक तरफ गाजा में युद्धविराम की बात हो रही थी, तभी इजरायली सेना ने कतर की राजधानी दोहा पर हमला कर दिया. उसने ये अटैक कथित तौर पर हमास लीडरशिप को खत्म करने के लिए किया था. टारगेट का तो सफाया नहीं हुआ, उल्टे अरब देश भड़क गए. अब तमाम इस्लामिक देश मिलकर एक सैन्य संगठन बनाने की सोच रहे हैं, जो नाटो की तरह काम करे. वैसे नाटो की नकल की कोशिश यूरोप भी कर चुका. अब अरब लीग कतार में है. लेकिन क्या ये मुमकिन है? अरब देशों को कवर करने वाले मीडिया में इस तरह की रिपोर्ट्स हैं. माना जा रहा है कि सशस्त्र बल की अध्यक्षता अरब लीग के सभी देश बारी-बारी से करेंगे. चूंकि प्रपोजल इजिप्ट की तरफ से आया है, और वहीं अरब लीग का मुख्यालय है, लिहाजा पहला नेतृत्व उसे मिल सकता है. माना जा रहा है कि इसमें सबसे ज्यादा सैन्य योगदान भी इसी देश का होगा. उसके बाद सऊदी और फिर बाकी देश हो सकते हैं. नाटो की तर्ज पर हर देश की थल-जल और वायु सेनाओं की एक टुकड़ी पूरी तरह से स्टैंड बाय मोड में रहेगी और जब जरूरत हो, संयुक्त अभियान चलाएगी.

पहले भी बना था एक गुट

अरब देशों के बीच इस तरह का एक सैन्य गठबंधन पहले भी मौजूद रहा है जो बगदाद संधि के नाम से जाना जाता था. इसका फॉर्मल नाम था- सेंट्रल ट्रीटी आर्गेनाइजेशन या सेंटो. दूसरे वर्ल्ड वॉर के बाद जब दुनिया दो खेमों में बंटी हुई थी, तभी अरब को डर हुआ कि सोवियत संघ उसके यहां दखल देना न शुरू कर दे. इसी डर को खत्म करने के लिए साल 1955 में यह सैन्य संगठन बना. इसमें इराक, तुर्की, ईरान, पाकिस्तान और यूनाइटेड किंगडम शामिल थे. बैकडोर से उन्हें अमेरिका का सपोर्ट मिला हुआ था. हालांकि वक्त के साथ संगठन कमजोर पड़ने लगा. संगठन में मिस्र जैसे शामिल नहीं थे. वे मानते थे कि यह अमेरिकी साजिश है. शक इसलिए भी गहराया क्योंकि इसमें ब्रिटेन भी शामिल था, जिसका आमतौर पर अरब से खास लेनादेना नहीं था. आखिरकार लड़ते-झगड़ते सत्तर के दशक में यह सैन्य संगठन खत्म हो गया.

कहां अटकी यूरोप की गाड़ी

इसके कई कारण हैं. पहली वजह है- सैन्य बजट. कोई भी देश भारी पैसे खर्च करने से बच रहा है. लेकिन यही अकेला कारण नहीं. ईयू के सदस्य देशों के बीच आपस में ठनी रहती है. ईयू में 25 से ज्यादा देश हैं. सबकी अपनी प्राथमिकता है. ऐसे में संयुक्त यूरोपियन आर्मी बनाना मुश्किल ही लगता है. इसके अलावा, दूसरे वर्ल्ड वॉर के बाद यूरोप काफी हद तक यूएस के भरोसे रहने लगा. वहीं से छोटे से लेकर बड़े फैसले होते रहे. अब एकदम से अलग सैन्य संगठन जैसा फैसला लेना उसके लिए आसान नहीं. साथ ही कहीं न कहीं ये अमेरिका को बिदकाने जैसा भी है.

क्या अरब देश मिलकर नाटो जैसा संगठन बना सकते हैं

ये प्रस्ताव पहले भी आ चुका लेकिन बार-बार कमजोर पड़ता रहा. असल में सभी इस्लामिक देशों के हित इतने अलग हैं कि उनमें एकजुटता शायद ही हो सके. जैसे सऊदी और ईरान के बीच कई टकराव रहे. एक अमेरिका के साथ दिखता है, दूसरा उसके खिलाफ. ऐसे में उनका साथ आना मुश्किल है. सैन्य गुट बनने का मतलब ये भी है कि सभी देश आपस में खुफिया जानकारियां शेयर करें. यह स्थिति भी काफी पेचीदा हो सकती है. अगर कहीं जोड़-तोड़ करके ऐसा कोई सैन्य संगठन बन भी गया, तो अमेरिका चुप नहीं बैठेगा. वो फिलहाल अरब देशों में अपने पांव जमा रहा है. सैन्य गुट बनने का मतलब है, देशों में एका, यानी अमेरिका के पैर कमजोर पड़ जाना. तो वो साम-दाम-दंड-भेद सारे तरीके अपनाएगा कि संगठन नामभर के लिए बाकी रह जाए. पहली बार जो संगठन बना, उसपर भी यूएस ने लगातार नजर रखी और येन-केन प्रकरेण उसमें फूट डालता रहा. दूसरी तरफ नाटो के साथ वो पूरी तरह कमिटेड रहा. रूस-यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद से यूरोप में भी नाटो का विकल्प बनाने पर चर्चा हो रही है. खासकर डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता संभालते ही धमकाना शुरू कर दिया कि अगर यूरोप ने अपना डिफेंस बजट नहीं बढ़ाया, तो यूएस नाटो से अलगाव कर लेगा. बता दें कि नाटो भले ही पश्चिमी देशों का संगठन सही, लेकिन अमेरिका इसमें सबसे ज्यादा मजबूत रहा. इतना कि उसके पैर पीछे खींचने की धमकी पूरे यूरोप को डराने लगी. इसी डर के बीच हाल में यूरोपियन यूनियन के देशों ने भी अपने अलग सैन्य गुट की बात छेड़ी लेकिन योजना आकार नहीं ले सकी.

संपादकीय

चीफ जस्टिस के पटाखे खामोशी, कोर्ट ठंडा है!

पूरे देश में पटाखों पर प्रतिबंध लगना चाहिए. चीफ जस्टिस भूषण गवई ने राय व्यक्त की है कि पटाखों ने प्रदूषण की गंभीर समस्या पैदा कर दी है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पटाखों से वायु प्रदूषण आदि होता है. सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में पटाखों के निर्माण, बिक्री और उपयोग पर पहले ही प्रतिबंध लगा दिया है. इस पर चीफ जस्टिस साहब की महत्वपूर्ण राय है कि 'स्वच्छ हवा का अधिकार केवल राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों तक ही सीमित क्यों होना चाहिए? अन्य शहरों और राज्यों के लोग भी इसी तरह के खतरों का सामना कर रहे हैं. देश के प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ हवा का अधिकार है.' चीफ जस्टिस ने कुछ भी गलत नहीं कहा, लेकिन क्या ऐन दिवाली के पहले चीफ जस्टिस द्वारा स्वच्छ हवा के अधिकार पर टिप्पणी करने से देश की हवा बदल जाएगी? मूल रूप से देश की हवा, पानी, आकाश और जमीन अब तानाशाहों के हाथों में है और तानाशाह हवा की दिशा, नदियों के प्रवाह को तय करते हैं. समान न्याय, संविधान के अनुसार न्याय यह अधिकार डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने प्रत्येक भारतीय को दिया था, लेकिन क्या यह न्याय आज वास्तव में दिया जा रहा है? न तो स्वच्छ हवा है और न ही निष्पक्ष न्याय. जज आते हैं और प्रवचन झाड़कर चले जाते हैं, तो ऐसे में पटाखों पर प्रतिबंध और स्वच्छ हवा के अधिकार का और क्या होगा? महाराष्ट्र और देश में दिवाली के त्योहार पर पटाखे फोड़े जाते हैं. धार्मिक उत्सवों और विजय जुलूसों में पटाखों का इस्तेमाल होता है. देश के लाखों लोग पटाखा उद्योग पर निर्भर हैं. क्या इस पटाखा उद्योग पर प्रतिबंध लगाकर सुप्रीम कोर्ट सरकार को इन गरीब मजदूरों की आजीविका के लिए कोई योजना देने जा रहा है? दूसरी बात, हम यह मानने को तैयार नहीं हैं कि केवल पटाखे ही प्रदूषण या पर्यावरण क्षरण का कारण हैं. पिछले दस सालों में महाराष्ट्र समेत देश में व्यापारिक कारणों से जितनी वनों की कटाई, पेड़ों की कटाई और पहाड़ों की कटाई हुई है, उतनी तो ब्रिटिश काल में भी नहीं हुई होगी. चंद्रपुर, गढ़चिरौली आदि महाराष्ट्र के कई हिस्सों में वैध और अवैध रूप से खनन उद्योग चल रहा है और ईमानदारी के साथ ऊपर से नीचे तक हफ्ताबाजी चल रही है. महाराष्ट्र में पहाड़ों को सीधे और तिरछे काटकर जो तबाही मचाई जा रही है, वह सरकारी संरक्षण के बिना संभव नहीं है. मुंबई में 'मेट्रो' नामक विकास के नाम पर आरे के जंगल में हजारों पेड़ काट दिए गए और मुंबई को स्वच्छ हवा देने वाले फेफड़ों की ऐसी की तैसी कर दी गई. ऐसे समय में क्या मुंबईकरों को स्वच्छ हवा का अधिकार नहीं है? आरे के जंगल को मुंबईकरों को 'ऑक्सीजन' देने वाले फेफड़ों के रूप में जाना जाता है. जब क्षेत्र के लोगों ने इन परियोजनाओं को रोका, तो उन पर बंदूकें तान दी गई.

आरे के जंगल को बचाने के लिए विरोध करने वाले पर्यावरण कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पीटा और उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए. पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली कई रासायनिक परियोजनाएं समुद्र और नदियों के किनारे लाई जा रही हैं और लोगों के स्वच्छ पानी के अधिकार का भी उल्लंघन किया जा रहा है. प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर कोकण में भी एनरॉन से लेकर जैतापुर-नानार तक विनाशकारी रासायनिक परियोजनाएं लाने की कोशिशें हुई हैं.

पटाखों से वायु, जल और मिट्टी सभी होते हैं प्रदूषित

देश के विभिन्न शहरों में बढ़ता प्रदूषण एक गंभीर और जटिल समस्या बनता जा रहा है. हवा, पानी और जमीन में प्रदूषण के जहरीले तत्त्वों के घुलने से मानव जीवन तथा पर्यावरण के लिए खतरा लगातार बढ़ रहा है. इसका असर सांस एवं अन्य तरह की बीमारियों में वृद्धि और कृषि उत्पादन में कमी के रूप में भी देखा जा रहा है. इतना ही नहीं, प्रदूषण जलवायु परिवर्तन में तेजी का कारण भी बन रहा है, जिससे बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति बढ़ रही है. प्रदूषण बढ़ने के कई कारण हैं, जिनमें पटाखे भी शामिल हैं.

देश की राजधानी दिल्ली प्रदूषण को लेकर हमेशा चर्चा में रहती है, जबकि ऐसा नहीं है कि देश के अन्य शहरों में प्रदूषण कम है. दिवाली और दशहरे के मौके पर पटाखे चलाए जाने से दिल्ली समेत देश के कई शहरों में वायु गुणवत्ता का स्तर काफी नीचे गिर जाता है. ऐसे में दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के विनियमन की मांग पर सर्वोच्च न्यायालय ने दो टूक कहा कि अगर स्वच्छ हवा राष्ट्रीय राजधानी के 'कुलीन' निवासियों का अधिकार है, तो यह पूरे देश के नागरिकों को भी मिलना चाहिए.

दरअसल, पटाखों से होने वाला प्रदूषण बहुआयामी है. इसमें वायु और ध्वनि प्रदूषण के अलावा मिट्टी और जल प्रदूषण भी शामिल है. पटाखों से होने वाला वायु प्रदूषण विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि इससे निकलने वाले महीन कण (पीएम 2.5 और पीएम 10) फेफड़ों और रक्तप्रवाह में गहराई तक प्रवेश कर जाते हैं, जिससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं.

पटाखे चलाने के दौरान जहरीली गैसों के अलावा प्लास्टिक के सूक्ष्म कण और कई खतरनाक धातुओं के कण भी निकलते हैं, जो वातावरण और पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं. साथ ही कार्बन डाइआक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन वैश्विक ताप और जलवायु परिवर्तन की गति को बढ़ाने का काम करता है. हमारी सामाजिक सोच अब ऐसी हो गई है कि त्योहार हो, विवाह समारोह हो या कोई अन्य विशेष कार्यक्रम, पटाखों के बिना उसे अधूरा माना जाता है. खुशी और उत्साह में हम यह भूल जाते हैं कि पर्यावरण में जो जहर में हम घोल रहे हैं, वह हमारे जीवन के लिए कितना खतरनाक है.

स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी आइक्यूएअर की हालिया वैश्विक रपट के मुताबिक, भारत विश्व स्तर पर पांचवां सबसे प्रदूषित देश है. दुनिया के बीस सबसे प्रदूषित शहरों में से तेरह भारत में हैं. इनमें असम-मेघालय सीमा पर स्थित बर्नीहाट को विश्व स्तर पर सबसे प्रदूषित शहर के रूप में चिह्नित किया गया है. इसके अलावा, इस सूची में दिल्ली, पंजाब का मुल्लांपुर, राजस्थान का भिवाड़ी और गंगनगर भी शामिल है. इससे साफ है कि प्रदूषण का मसला सिर्फ दिल्ली से ही नहीं जुड़ा है, बल्कि देश के अन्य शहरों में भी स्थिति गंभीर होती जा रही है. इसलिए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि स्वच्छ हवा का अधिकार पूरे देश के नागरिकों को मिलना चाहिए. इसमें दोराय नहीं कि पटाखों पर चुनिंदा तरीके से प्रतिबंध लगाने से व्यापक रूप ले चुकी इस समस्या से निजात मिलना संभव नहीं है. दिल्ली जैसे शहरों की स्थिति किसी अन्य शहर में पैदा होने का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए. इसलिए इस बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि प्रदूषण से निपटने के लिए पटाखों पर प्रतिबंध की अगर कोई नीति बने, तो वह देश भर में लागू होनी चाहिए.

वॉल्यूम कम कर, भीड़ कम है!

अनाउंसमेंट से होने वाले ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा अब 'स्टेशन पर जितने यात्री, उतनी ही आवाज की तीव्रता'- इस फॉर्मूले पर आधारित अत्याधुनिक स्पीकर्स प्लेटफॉर्म और ब्रिज पर जगह-जगह लगाए जाएंगे. इससे अब भीड़ के अनुसार, अनाउंसमेंट की आवाज कम या ज्यादा होगी. अगर स्टेशनों पर शोर-शराबा अधिक होगा तो स्पीकर्स का वॉल्यूम तेज होगा और दोपहर या रात के समय स्टेशन पर अमूमन शोर गुल कम होता है, उस दौरान स्पीकर्स का वॉल्यूम कम हो जाएगा.

उपनगरीय रेल सेवा सुबह से देर रात तक चालू रहती है. इस दौरान लगातार तेज आवाज में अनाउंसमेंट किया जाता है. इससे यात्रियों को फायदा कम और ध्वनि प्रदूषण से सिरदर्द ज्यादा झेलना पड़ता है. स्टेशन परिसर में रहने वाले नागरिक लगातार होने वाली घोषणाओं से परेशान हो जाते हैं. इसी पृष्ठभूमि में पश्चिम रेलवे ने स्टेशनों पर सुविधाओं का विस्तार करते हुए उद्घोषणाओं से होने वाले ध्वनि प्रदूषण को गंभीरता से लिया है. इसी के तहत वर्तमान में प्रायोगिक रूप से 'अमृत भारत' स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों पर यात्री घोषणा प्रणाली के लिए पुराने हॉर्न और बॉक्स प्रकार के स्पीकर्स हटाकर वहां अत्याधुनिक 'आईपी स्पीकर्स' लगाए जा रहे हैं.

अभी सात स्टेशनों पर हर प्लेटफॉर्म, फुटओवर ब्रिज और स्टेशन के प्रवेश-द्वार/निकास बिंदुओं पर हर १५ से २० मीटर की दूरी पर 'आईपी स्पीकर्स' लगाए गए हैं. सात स्टेशनों पर प्रयोग सफल होने के बाद निकट भविष्य में बाकी स्टेशनों पर भी 'आईपी स्पीकर्स' लगाए जाएंगे, ऐसी जानकारी पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने दी.

पहले चरण के स्टेशन नई प्रणाली के अंतर्गत पहले चरण में मरीन लाइन्स, चर्नी रोड, ग्रांट रोड, लोअर परेल, प्रभादेवी, जोगेश्वरी और मालाड स्टेशनों पर स्पीकर्स लगाए जाएंगे.

अनाउंसमेंट की नई प्रणाली की विशेषताएं नए स्पीकर्स की कनेक्टिविटी के लिए ईथरनेट आधारित आईपी नेटवर्क का उपयोग किया जा रहा है. नई प्रणाली में उद्घोषणाओं की आवाज की तीव्रता को समायोजित करने की सुविधा है. 'नॉइज सेंसिंग माइक्रोफोन' यह अनुमान लगाते हैं कि आस-पास का शोर कितना है और उसी के अनुसार, उद्घोषणाओं की आवाज को नियंत्रित किया जाता है. जब बाहरी वाहनों का शोर, सार्वजनिक आवाजें, हॉर्निंग, ट्रेन की आवाज आदि अधिक होती है तो यात्रियों को सूचना साफ सुनाई देने के लिए उद्घोषणाओं की आवाज अपने आप बढ़ जाती है.

अंतरिम सरकार से संतुलन की उम्मीद

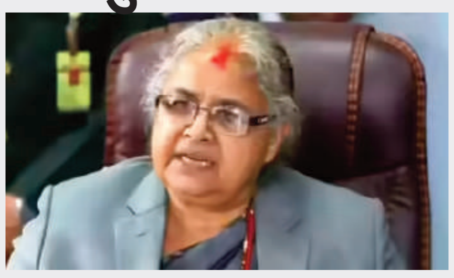

करीब हफ्तेभर की उथलपुथल के बाद नेपाल का फिर से शांति की ओर बढ़ना अच्छी खबर है. नवनियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की बेदाग छवि और संतुलित नजरिये के लिए जानी जाती हैं. उनके नेतृत्व में वहां जल्द चुनाव होने और हालात के सामान्य होने की उम्मीद है. बेदाग छवि . सुशीला कार्की नेपाल की मुख्य न्यायाधीश रह चुकी हैं. उनके पास राजनीतिक अनुभव बेहद कम है. इसके बावजूद Gen-Z ने उनके नाम पर सहमति जताई, क्योंकि बाकी राजनेताओं से उसका भरोसा उठ चुका है. कार्की भ्रष्टाचार विरोधी सख्त रुख के लिए जानी जाती हैं और नेपाल की नई पीढ़ी को उनसे आस है कि वह करप्शन को खत्म करने के लिए जरूरी कदम उठाएंगी. चुनाव का ऐलान . सुशीला कार्की के लिए इन अपेक्षाओं पर खरा उतरना आसान नहीं. उनके सामने ऐसा देश है, जिसकी व्यवस्था उखड़ चुकी है. उन्हें हालात को संभालने के साथ ही राजनीतिक स्थायित्व भी प्रदान करना है. अच्छी बात यह है कि अंतरिम सरकार के गठन के साथ ही अगले साल मार्च में चुनाव कराने का भी ऐलान कर दिया गया. नेपाल ने इस मामले में बांग्लादेश से सबक लिया. ढाका में भी जन. आंदोलन ने चुनी हुई सरकार को उखाड़ फेंका था. हालांकि एक साल से ज्यादा वक्त बाद भी तय नहीं हो सका है कि चुनाव कब होंगे. इससे वही अनिश्चितता और बेचैनी फिर पैदा हो रही है, जिससे उबरने के लिए जनता सड़कों पर उतरी थी. भारत के हक में स्थायित्व . नेपाल का जल्द से जल्द सामान्य होना भारत के लिए भी अच्छा होगा. दोनों देश आपस में इस कदर जुड़े हैं कि काठमांडू की कोई भी हलचल नई दिल्ली में महसूस हुए बिना नहीं रह सकती. फिर पड़ोस में स्थायित्व इसलिए भी जरूरी है, ताकि दूसरे तत्वों को फायदा उठाने का मौका न मिले. बांग्लादेश की अस्थिरता का उदाहरण सामने है, जहां पाकिस्तान अब भारत विरोधी नैरेटिव बनाने में लगा हुआ है. रिश्तों में बैलेंस . भारत-नेपाल की सीमाएं ही नहीं जुड़तीं, दोनों की संस्कृति, रहन-सहन, खानपान भी बहुत हद तक साझा है. लेकिन, केपीएस ओली के दौर में दूरी साफ महसूस की जा सकती थी. वह नेपाल को धीरे-धीरे चीन की तरफ शिफ्ट कर रहे थे. यहां तक कि लिपुलेख का मुद्दा भी उन्होंने चीन के सामने उठाया. इससे नेपाल में ही वह वर्ग बहुत नाराज था, जो पेइचिंग को संशय की नजरों से देखता है. सुशीला कार्की से द्विपक्षीय रिश्तों में ज्यादा बैलेंस की उम्मीद है. मणिपुर से पीएम नरेंद्र मोदी का नेपाल को संदेश देना इस रिश्ते की अहमियत बताता है.

राशिफल

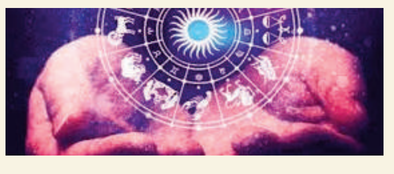

■ **मेष:** मेष राशि वालों का प्रेम जीवन अच्छा रहेगा. रिश्तों की खटास कम होगी. प्यार और भरोसा बढ़ेगा. करियर में प्रमोशन या अच्छे मौके मिल सकते हैं. पढ़ाई और बच्चों पर खर्च करना पड़ेगा. नई योजनाएं बनेंगी. निवेश करने के लिए दिन अच्छा . गाड़ी के रखरखाव पर भी पैसा जा सकता है. जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें.

■ **वृषभ:** वृषभ राशि वालों के लिए दिन सामान्य रहेगा. आत्मविश्वास से काम करें. अफसरों का सहयोग मिलेगा. घर में खुशियां रहेंगी. गुस्सा और ऑफिस पॉलिटिक्स से दूर रहें. नए लक्ष्यों के लिए मेहनत करें. अनावश्यक बहस से बचें. स्वास्थ्य सामान्य रहेगा.

■ **मिथुन:** मिथुन राशि वालों को मिलेजुले फल मिलेंगे. व्यापार में फायदा होगा. आर्थिक स्थिति सुधरेगी लेकिन पैसों के फैसले सोच-समझकर लें. खर्च भी सोच-समझकर ही करें. बचत पर ध्यान दें. शादीशुदा जीवन की परेशानियां कम होंगी. जीवनसाथी के साथ समय व्यतीत करें.

■ **कर्क:** कर्क राशि के लोग आज सुखमय जीवन जिएंगे. प्रेम-संबंधों में मिठास आएगी. धन-संपत्ति में बढ़ोतरी होगी. निवेश सावधानी से करें और बेकार के खर्चों से बचें. नौकरी-कारोबार में माहौल अनुकूल रहेगा. करियर में प्रगति के योग हैं.

■ **सिंह:** सिह राशि वालो चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. जिम्मेदारियां ध्यान से निभाएं. आज मन में कोई अनजाना डर हो सकता है. पॉजिटिव सोच के साथ मेहनत करेंगे तो सफलता मिलेगी. व्यापार बढ़ाने के कई मौके मिलेंगे.

■ **कन्या:** कन्या राशि वालों को प्रोफेशनल लाइफ में तरक्की के कई मौके मिलेंगे. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. घर में शुभ काम हो सकता है. बोलचाल में मधुरता आएगी. आज के दिन खर्च सोच-समझकर ही करें. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें.

■ **तुला:** सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. कई स्तोत्रों से धन आगमन होगा, लेकिन खर्च सोच-समझकर ही करें धन से जुड़े फैसले सावधानी से लें. पढ़ाई में अच्छे नतीजे मिलेंगे. जीवनसाथी से अनबन हो सकती है, बहस से बचें. परिजनों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

■ **वृश्चिक:** पुराने साथी या एक्स से मुलाकात हो सकती है. हर काम में सफलता मिलेगी. कारोबार में आंख मूंदकर किसी पर भी भरोसा न करें. दोस्तों की मदद से दिक्कतें दूर होंगी. धन-लाभ हो सकता है. प्रोफेशनल लाइफ में थोड़े उतार-चढ़ाव रहेंगे लेकिन दोपहर के बाद स्थिति सामान्य हो जाएगी.

■ **धनु:** धनु राशि वालों के जीवन में प्यार और रोमांस बढ़ेगा. जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. घर में खुशी का माहौल रहेगा. कामकाज में प्रगति होगी. आय के नए साधन मिलेंगे. क्रोध पर कंट्रोल रखें, जल्दबाजी न करें. सोच-समझकर खर्च करें और निवेश पर ध्यान दें. आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

■ **मकर:** मेहनत करने से सफलता मिलेगी. लिखने-पढ़ने के काम से आय में वृद्धि होगी. नौकरी बदलने के योग बन सकते हैं. किसी दोस्त के सहयोग से नए फायदे मिलेंगे. पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. संतान से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी. धार्मिक कार्यों में मन लगेगा. माता-पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें.

■ **कुंभ:** कुंभ राशि वालों के घर में खुशियां आएंगी. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. बाधाएं दूर होंगी. गुस्से और ऑफिस के विवादों से बचें. मेहनत से नई उपलब्धियां हासिल करेंगे. निवेश सोच-समझकर करें और जल्दबाजी में पैसा न खर्च करें.

■ **मीन:** मीन राशि वालों का दिन अच्छा रहेगा. मन खुश रहेगा. नए साधनों से धन लाभ होगा. धर्म-कर्म में व्यस्त रहेंगे. नई पहचान बनेगी. पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी. मां के सहयोग से फायदे के मौके मिलेंगे. आलस्य से बचें और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहें.

फिल्म वर्ग पहेली - 447

1		2		3	4		5		6
		7	8		9				
10			11	12			13	14	
		15				16			
17	18				19				
	20			21					
22			23				24		25
	26	27		28		29			
30				31					
32						33			

बायें से दायें:-

1. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-3
3. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-2
5. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-3
7. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-2
9. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-3
10. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-2
11. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-3
13. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-3
17. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-2,2
19. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-5
20. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-2
21. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-3
22. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-2
26. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-4
29. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-4
31. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-2
32. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-3
33. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-4

ऊपर से नीचे:-

1. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-2,3
2. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-2
4. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-3
5. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-3
6. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-3
12. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-2
14. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-2,2
15. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-3
16. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-3
18. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-2,2
19. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-3
23. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-2
24. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-4
25. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-4
27. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-3
28. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-3
30. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-2

फिल्म वर्ग पहेली - 446 का हल

फा		द	ह	क		रा	जू	चा	चा
गु	ला	म		री	ना		ही		ल
न		न	सी	ब		दा		जे	बा
	रॉ		मा		जु	ग	नू		ज
फ	की	रा		क	र्मा		त	ब्बू	
र्ज		ज	ख्मी		ना	दा	न		ती
	बा	पू		शू		दा		द	स
म		त	ह	ल	का		द		रा
क	र्ज		म		जो	शी	ला		कौ
ड़ी		मा	ला	मा	ल		ल	गा	न

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

अंकजाल - 447

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

	22	19	22		23	22	17	16	
14	7		5		7		9		26
16		8				7		6	22
18	5		9		2		5		22
25		5		8					
					6		9		27
18		2		4		5		5	12
20	6		4				8		21
24		6		6		8		3	18
	21	11	13	27		28	26	16	

अंकजाल 446 का हल

	25	17	23		29	11	18	17	
14	7	2	5		5	4	9	2	20
20	7	5	8		7	5	3	8	23
12	2	7	3		4	2	6	7	19
26	9	3	7	2	5				
				7	8	9	2	3	29
26	8	5	6	7		3	6	4	13
18	5	2	5	6		3	4	7	14
30	8	8	8	6		4	6	8	18
	21	15	19	28		19	18	22	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 447

क	र्म	मे	रि	दु	ला	रा	ल	क	लं	क
बू	खु	क	दू	इं	जी	क	शि	या	ड़	नी
त	पी	जा	ल्हे	र	ग	बा	ल	ह	प	ल
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	यु	लि	प्रे
व	र	रा	जा	जी	क	ला	कि	यो	ग	म
ल	इ	वि	मो	ग	प	ला	शी	ह	गी	श
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	ई	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	क	र	ह	त्या	ल	वि	क
र	क	ल	श	रा	न	ज	जी	शा	जू	म
र	ग	ल	नो	मा	व	शि	का	री	टि	जो
बां	क	र	तू	त	च	ले	स	क	म	र

शब्दजाल में 'क' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

कबूतर, कमजोर, कलयुग, कलंक, कलश, कलाई, करामात, करतूत, कर्म, कमर

शब्दजाल - 446 का हल

स	रा	जें	द्र	स	ता	ना	वा	ज	पे	स
त्ल	फ	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	र
न	स	ल	म	को	ह	रा	म	ल	ख	का
त	स	स	ता	दि	वा	ज	ध	त्रि	श	र
श	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	दे	झ	प
न	ल	ला	र	दि	म	उ	ती	व	घ	स
स	ड़	क	फ्यू	जी	प	बा	ज	स	व	जा
श	एं	वा	स	र	फ	रो	श	ज	श	न्हा
मी	ड	ल	फू	ल	औ	र	आ	ग	स	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	चे	द
वि	ज	स	त्ता	धी	श	डि	त	ब	त	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

भाजपा में पुराने वफादार कार्यकर्ता दरकिनार

आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों को देखते हुए भाजपा ने पुराने, निष्ठावान कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर पार्टी में नए आनेवालों को मौका देने का संकेत दिया है. इससे पार्टी के अंदर गहरी नाराजगी और असंतोष की बात कही जा रही है. इसी पृष्ठभूमि में भाजपा के वरिष्ठ नेता व जलसंपदा मंत्री गिरीश महाजन ने एक चौंकानेवाला बयान देते हुए कहा कि कोई भी पार्टी में आए, उसका विरोध मत करो. ऐसा सख्त संदेश पार्टी पदाधिकारियों को दिया है. यह वक्तव्य उन्होंने जलगांव जिले के जामनेर में आयोजित कार्यकर्ता शिविर में दिया. महाजन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कोई भी पार्टी से आए, चाहे जैसा भी हो अगर वह काम का आदमी है तो उसे पार्टी में लो. फोटोबाजी करने वालों की कोई कीमत नहीं. उनके इससss बयान के बाद भाजपा में चर्चा शुरू हो गई है कि अब पार्टी ने सत्ता के लिए जिसकी लाठी उसकी भैंस की नीति अपना ली है और वफादारी से ज्यादा उपयोगिता को महत्व दिया जाएगा.

उत्तर महाराष्ट्र में बदलेगा राजनीतिक समीकरण महाजन के इस बयान से यह संकेत मिला है कि आगामी चुनाव में भाजपा विरोधी पक्षों से नेताओं को सामूहिक रूप से शामिल कर सकती है. इससे उत्तर महाराष्ट्र में भाजपा के अंदर ही फूट पड़ने का खतरा है, क्योंकि कई पुराने कार्यकर्ता अब अन्य दलों की ओर रुख करने की तैयारी में हैं. भाजपा में इनकमिंग तेज, पुराने कार्यकर्ता हाशिए पर भाजपा में इस समय बड़े पैमाने पर इनकमिंग चालू है. विरोधी पक्षों से नेता, कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो रहे हैं. इससे पुराने जमीनी कार्यकर्ताओं को टिकट मिलना मुश्किल होता दिख रहा है. पार्टी के अंदरखाने यह चर्चा जोरों पर है कि आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों में निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी होगी.

जनसंवाद नेटवर्कस् प्रा. लि. हेतु राष्ट्रबाण (प्रेस) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य द्वारा यह मुद्रित कर 101/5 गणेश स्नेहल अपार्टमेंट नागपुर-22 से प्रकाशित. प्रधान संपादक - *विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य, *पी. आर. बी. कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार ■ इस पत्र में प्रकाशित विज्ञापन, लेख व समाचारों में व्यक्त विचार व्यक्तिगत है. उनसे हमारा सहमत-असहमत होना जरुरी नहीं. RNI Reg. No. HIN/72804 ■ फोन नं. 0712-7966355, rashtrabaanngp@gmail.com

चुनावी जंग से पहले अंदरखाने की लड़ाई

NDA और INDIA ब्लॉक के सामने सीट शेयरिंग बड़ी चुनौती, जानें- कहां फंसा पेच?

राष्ट्रबाण

बिहार विधानसभा चुनाव के ऐलान में ज्यादा वक्त नहीं है. लेकिन चुनावी मैदान में उतरने के लिए कमर कस चुके दोनों प्रमुख गठबंधनों में सीट शेयरिंग को लेकर अबतक तस्वीर साफ नहीं हो पाई है. बात एनडीए की करें या फिर महागठबंधन की, दोनों खेमों का हाल एक जैसा ही नजर आ रहा है. एनडीए में सीट बंटवारे से पहले एक तरफ जहां छोटे घटक दलों के बीच खींचतान दिख रही है, तो वहीं दूसरी तरफ महागठबंधन में वोटर अधिकार यात्रा के बाद आरजेडी और कांग्रेस अपने-अपने सिंगल प्लान को एक्टीवेट कर आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं. एनडीए में सीट शेयरिंग को लेकर अबतक बैठकों का दौर भी शुरू नहीं हुआ है, जबकि महागठबंधन के घटक दलों के बीच बैठकें तो हो रही हैं लेकिन कोई फॉर्मूला सामने नहीं आ पा रहा.

एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर जिस फॉर्मूले की चर्चा सियासी गलियारे में है उसके मुताबिक बीजेपी और जेडीयू के बराबर-बराबर सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही जा रही है. चर्चा ये भी है कि ये दोनों बड़े घटक दल सौ-सौ से ज्यादा सीटों पर अपना उम्मीदवार देंगे. एनडीए में शामिल चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी को भी उनकी ताकत के हिसाब से सीटें दिए जाने की चर्चा है. राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा सीट बंटवारे पर अपने पत्ते खोलने को तैयार नहीं हैं. लेकिन चिराग पासवान की पार्टी ने शुरुआती दौर में 40 सीटों पर दावेदारी की थी.

क्या चाहते हैं चिराग पासवान?

चिराग पासवान चाहते हैं कि उनकी पार्टी की सीटों की संख्या कम से कम इतनी हो की एवरेज स्ट्राइक रेट से भी वो इस स्थिति में रहें कि बिहार की सियासत में उनकी अहमियत बनी रहे. हालांकि एनडीए के अंदर सीट शेयरिंग को लेकर जिस फॉर्मूले की चर्चा सियासी गलियारे में है उसके मुताबिक चिराग पासवान की पार्टी को 20 के आसपास सीटें दी जा सकती हैं. संभव हो कि इतनी सीटों पर चिराग को राजी करवाने के लिए बीजेपी कोई और ऑफर भी दे.

एनडीए के अंदर सीट बंटवारे पर फंसे पेंच को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा चिराग की ही हो रही है. 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में चिराग पासवान किस तरह एनडीए से बाहर रहकर मैदान में उतरे थे और इसका खामियाजा जेडीयू को उठाना पड़ा था, यह शायद ही कोई भूला है. बिहार में महागठबंधन की तरफ से मिल रही चुनौतियों को देखते हुए बीजेपी और जेडीयू दोनों में से कोई भी या नहीं चाहेगा कि चिराग एक बार फिर से 2020 से वाली राह पर जाएं.

मांझी ने खुलकर रखी अपनी डिमांड : चिराग ने एनडीए के अंदर जो प्रेशर पॉलिटिक्स अपनाई है शायद उसी का असर है कि अब जीतन राम मांझी भी अपनी पार्टी की तरफ से मुखर होकर दावेदारी कर रहे हैं. मांझी ने भी अपनी पार्टी के लिए 15 से 20 सीटों की दावेदारी मीडिया के जरिए सामने रख दी है. मांझी इसके लिए जो तर्क दे रहे हैं वह उनकी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी के दर्जे के लिए मिलने वाले वोट परसेंटेज से जुड़ा है. जीतन राम मांझी ने ऐलान कर दिया है कि अगर उम्मीद के मुताबिक के सीटों की संख्या नहीं हुई तो उनकी पार्टी बिहार चुनाव में काम से कम 100 सीटों पर उम्मीदवार देगी. चिराग पासवान हो या फिर जीतन राम मांझी इन दोनों के बयानों पर फिलहाल जेडीयू और बीजेपी ने चुप्पी साथ रखी है.

अब तेजस्वी अकेले निकालेंगे यात्रा

मुकेश सहनी ने तो यहां तक कह दिया है कि तेजस्वी के सीएम कैंडिडेट के तौर पर नाम की घोषणा में देरी हुई तो इसका नुकसान महागठबंधन को उठाना पड़ सकता है. सहनी एक तरफ जहां तेजस्वी का नाम मुख्यमंत्री के लिए आगे कर रहे हैं तो वहीं खुद को डिप्टी सीएम का उम्मीदवार बता रहे हैं. महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर जो खींचतान चल रही है उसका नतीजा भी देखने को मिल रहा है. राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने भले ही एक साथ वोटर अधिकारी यात्रा की हो लेकिन अब तेजस्वी 16 सितंबर से बिहार अधिकार यात्रा पर अकेले निकल रहे हैं.

एनडीए में कहां फंसा है पेच?

सबसे पहले बात एनडीए गठबंधन की. एनडीए की तरफ से नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे, इसे लेकर तस्वीर साफ है. चुनावी तैयारी को लेकर एनडीए का विधानसभा स्तर पर कार्यकर्ता सम्मेलनों का दौर भी जारी है. एनडीए के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि चुनावी बिगुल बजने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलग-अलग कार्यक्रमों से बीजेपी और उसके सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं में जोश भी भर रहा है. लेकिन बात अगर सीट शेयरिंग को लेकर करें तो अबतक एनडीए में घटक दलों के बीच बैठकों का दौर भी शुरू नहीं हो पाया है.

प्रेशर पॉलिटिक्स का दौर

कांग्रेस अब 'हर घर अधिकार' अभियान की शुरुआत करने जा रही है. इस अभियान के तहत कांग्रेस के बड़े से लेकर छोटे नेता तक बिहार के मतदाताओं के घर तक जाएंगे. कांग्रेस का यह नया अभियान इसी हफ्ते शुरू होगा, जिसका मकसद विधानसभा स्तर पर वोटर्स को कांग्रेस के साथ जोड़ना है. इस अभियान के जरिए कांग्रेस अपनी प्रस्तावित 'माई-बहन सम्मान योजना' के लिए हर विधानसभा क्षेत्र से कम से कम 50 हजार भरे हुए आवेदन पत्र लेगी. इस पूरे अभियान के जरिए कांग्रेस की नजर राज्य की महिला वोटर्स पर है. कांग्रेस ने महिला वोट बैंक को साधने के लिए अपने गठबंधन की सरकार बनने पर हर महिला को 2500 रुपये हर महीने देने का वादा किया है.

कश्मीर पहुंची भारतीय सेना की पहली मालगाड़ी,

लौटेगी सेब लेकर

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. जम्मू-कश्मीर में एक ऐतिहासिक घटना हुई है. उद्धमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) पर भारतीय सेना की पहली विशेष मालगाड़ी सफलतापूर्वक चली. 12-13 सितंबर 2025 को यह गाड़ी बीडी बारी से अनंतनाग पहुंची. इसमें 753 मीट्रिक टन एडवांस्ड विंटर स्टॉकिंग (एडब्ल्यूएस) सामान लदा था, जो सेना की इकाइयों के लिए था. यह कदम सेना की सर्दियों की तैयारी में क्रांति लाएगा.

यूएसबीआरएल क्या है और इसका महत्व?

यूएसबीआरएल भारत का एक महत्वाकांक्षी रेल परियोजना है, जो जम्मू को कश्मीर घाटी से जोड़ती है. इसकी कुल लंबाई 272 किलोमीटर है. यह हिमालय के कठिन इलाके से गुजरती है. इसमें दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल चेनाब ब्रिज (359 मीटर ऊंचा) और भारत का सबसे लंबा रेल सुरंग पीर पंजाल (11.215 किमी) शामिल हैं.

यह परियोजना 2002 में शुरू हुई और जून 2025 में पूरी तरह चालू हो गई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 जून 2025 को इसकी शुरुआत की, जब वंदे भारत ट्रेन को फ्लैग ऑफ किया गया. इस रेल लिंक से कश्मीर घाटी बाकी भारत से जुड़ गई, जो सड़कों पर भूस्खलन या बाढ़ से होने वाली परेशानियों को कम करेगी. अगस्त 2025 में पहली मालगाड़ी अनंतनाग पहुंची, जो सीमेंट ले जा रही थी. लेकिन भारतीय सेना की यह गाड़ी पहली विशेष मालगाड़ी है, जो सैन्य और सिविल उपयोग का उदाहरण है.

सिविल-मिलिट्री फ्यूजन: कश्मीरी सेब का निर्यात

यह गाड़ी सिर्फ सैन्य उपयोग की नहीं. वापसी में यह कश्मीरी सेब ले जाएगी, जो भारत के बाकी बाजारों में बेचे जाएंगे. यह ड्यूल-यूज लॉजिस्टिक्स का शानदार उदाहरण है. कश्मीरी किसान पहले भूस्खलन या बाढ़ से सड़कें बंद होने पर भारी नुकसान उठाते थे. अब रेल से उनका फल तेजी से बाजार पहुंचेगा, जिससे आर्थिक राहत मिलेगी.

आम हो रही अमेरिका में राजनीतिक हिंसा

क्या नेताओं के भाषण आग में घी डाल रहे?

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. क्या अमेरिकी युवाओं का गुस्सा बढ़ रहा है? क्या वे राजनीतिक रूप से ज्यादा संवेदनशील हो रहे हैं? सोच न मिले तो क्या वे हत्या कर सकते हैं? ये कुछ सवाल हैं, जो लगातार गहरा रहे हैं. दरअसल पिछले हफ्ते डोनाल्ड ट्रंप के करीबी दक्षिणपंथी नेता चार्ली कर्क की हत्या कर दी गई. मारने वाला 22 साल का युवक है, जो कर्क की राजनीतिक सोच के खिलाफ था. यह अकेला मामला नहीं. जून में डेमोक्रेटिक नेता मेलिसा हार्टमैन की परिवार समेत गोली मारकर हत्या कर दी गई.

वैसे अमेरिका का जन्म ही हिंसा से हुआ. वहां एक सदी से कुछ कम वक्त तक सिविल वॉर चला. इसके बाद नेताओं की हत्याओं का सिलसिला चल निकला, चाहे वो मार्टिन लूथर किंग हों या कैनेडी. कुल मिलाकर, अमेरिकी राजनीति में हिंसा अक्सर दिखती रही, लेकिन अब ये ज्यादा डराती है. वजह? तब गन्स उतनी आसानी से नहीं मिलती थीं. अब दुनिया में लगभग 850 मिलियन हथियार निजी हाथों में हैं. इनमें से आधे से ज्यादा आर्म्स अमेरिका में हैं. हर 100 अमेरिकियों के बीच 120 गन्स. यानी, गुस्सा आए तो थमने-संभलने का कोई मौका नहीं.

क्या कहते हैं आंकड़े: प्रिंसटन यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2024 में सरकारी अधिकारियों पर हमले और धमकियों के 600 से ज्यादा मामले रिकॉर्ड किए गए. यह आंकड़ा साल 2022 से 70 गुना से भी ज्यादा है. कर्क की हत्या के बाद ट्रंप समेत कई रिपब्लिकन नेताओं ने लेफ्ट पर आरोप लगाया कि वे राजनीतिक हिंसा बढ़ा रहे हैं. एलन मस्क ने भी X पर लिखा कि लेफ्ट हत्यारों का दल है. माना जा रहा है कि किर्क को मारने वाला शख्स वामपंथी सोच का था और कई मामलों में कर्क की कट्टरता से नाराज था. लेकिन दूरदराज का अनाम एक युवक सीधे ट्रंप के करीबी नेता पर हमलावर क्यों हो गया?

राजनीतिक हिंसा को सही ठहराते हैं लोग: यही गुस्सा कई बार इतना बढ़ जाता है कि लोग मरने-मारने पर तुल आएं. अप्रैल में हुए एक सर्वे के अनुसार, हर पांच में से एक अमेरिकी मानता है कि कभी-कभार पॉलिटिकल हिंसा गलत नहीं. कई बार सबक सिखाने के लिए ये करना पड़ता है. इसमें एक पॉइंट ये भी है कि अगर लीडर गुस्सा या डर या निराशा जताएं तो उनके सपोर्टर भी वही महसूस करने लगते हैं. वहीं अगर वे शांति हों, या शांति की अपील करें तो हिंसा थम सकती है. अमेरिका ही नहीं, इसपर पूरी दुनिया में कई अध्ययन हो चुके, जो यही इशारा करते हैं.

भाषणों में बढ़े हिंसक शब्द

माना जा रहा है कि इसमें बड़ा हाथ उकसाऊ भाषणों का है. मिसाल के तौर पर ट्रंप को ही लें तो एक्सपर्ट मानते हैं उनके शब्द लगातार हिंसक होते चले गए. द कन्वर्सेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, पहले कार्यकाल से ठीक पहले ट्रंप की बातों में 0.6% हिंसक शब्द थे, जो साल 2024 में बढ़ते हुए 1.6% तक चला गया. चुनाव से पहले ट्रंप ने कहा था कि देश में खून की नदियां बह सकती हैं. चुनाव जीतने के बाद भी वे चुप नहीं हुए, बल्कि लोगों के बीच या इंटरव्यू में बोलते हुए लगातार हत्या, रेप, ठग जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते रहे. हिंसक शब्दों से वे डर और गुस्से का माहौल बना देते हैं. डेमोक्रेटिक नेता भी बोलने में पीछे नहीं. पिछले साल उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप को फासिस्ट कहते हुए दावा किया था कि ट्रंप राष्ट्रपति बनने के बाद अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ सेना उतार देंगे. ये भी अपने-आप में पर्याप्त माल-मसाले वाला बयान है, जो गुस्सा और डर साथ-साथ ले आए.

BMW कांड में बड़ा एक्शन

पुलिस ने गगनप्रीत को किया गिरफ्तार

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. दिल्ली के चर्चित बीएमडब्ल्यू कांड में पुलिस ने आरोपी महिला ड्राइवर गगनप्रीत मक्कड़ (38) को गिरफ्तार कर लिया है. इस भीषण हादसे में वित्त मंत्रालय के डिप्टी सेक्रेटरी नवजोत सिंह की मौत हो गई थी, जबकि उनकी पत्नी संदीप कौर गंभीर रूप से घायल हैं. जांच में सामने आया है कि टक्कर के बाद कुछ समय तक नवजोत जीवित थे.

पीड़िता संदीप कौर (52) ने पुलिस को दिए अपने बयान में सनसनीखेज खुलासा किया है. उन्होंने बताया कि हादसे के तुरंत बाद उन्होंने बार-बार गुहार लगाई कि उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया जाए. लेकिन आरोपी ने नवजोत और उनकी पत्नी को अपनी वैन में डालकर घटनास्थल से करीब 19 किलोमीटर दूर ले जाकर एक अस्पताल में भर्ती कराया. पुलिस ने इस बयान को एफआईआर में दर्ज कर लिया है.

हादसे वक्त बीएमडब्ल्यू में सवार थे पांच लोग

उस वक्त उसकी बेटी को कोई अस्पताल अपने यहां भर्ती नहीं कर रहा था. उसे इस अस्पताल पर भरोसा था कि वहां पीड़ित का उचित इलाज होगा. इसके साथ ये भी जानकारी सामने आई है कि हादसे वक्त बीएमडब्ल्यू कार में पांच लोग सवार थे. इसमें आरोपी महिला गगनदीप ड्राइविंग सीट पर थी. उसका पति, बच्चा और मेड पीछे की तरफ बैठे हुए थे. इस हादसे में कार में सवार सभी लोगों को चोट आई थी.

इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 (सार्वजनिक मार्ग पर लापरवाही से वाहन चलाना), 125बी (दूसरों के जीवन को खतरे में डालने वाले कृत्य), 105 (हत्या के बराबर न होने वाली गैर इरादतन हत्या) और 238

नवजोत को दूर अस्पताल क्यों ले गई गगनप्रीत?

संदीप कौर की गवाही के बाद ही पुलिस ने आरोपी महिला गगनीप्रीत मक्कड़ को हिरासत में लिया था.

फास्ट ट्रैक

3 करोड़ का टेंडर, 23 दिन चलेगा जश्न

राष्ट्रबाण

सहारनपुर .यूपी के सहारनपुर में ऐतिहासिक गुगाल (या गुघाल) मेले का आयोजन किया जा रहा है. इसका उद्घाटन 5 सितंबर को किया गया था. यह मेला 10 सितंबर से आम जनता के लिए खोला गया, जो 27 सितंबर तक चलेगा. मेले की अनुमति 23 दिनों के लिए दी गई है. यह आयोजन काली मंदिर पर होता है, जो जाहरवीर गोगा मेड़ी से जुड़ी धार्मिक परंपरा का हिस्सा है. इस मेले का टेंडर 3 करोड़ 8 लाख रुपये में फाइनल हुआ है. सुरक्षा और मनोरंजन का संगम मेला आयोजक सनी गुप्ता ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और पुलिस बल लगातार गश्त कर रहा है.

मेले की सबसे बड़ी खासियत यहां लगे जापानी तकनीक से बने आधुनिक झूले हैं, जो बच्चों और युवाओं को बेहद पसंद आ रहे हैं. इसके अलावा, मेले में जलपरी शो का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक उमड़ रहे हैं. मेले का ऐतिहासिक महत्व गुघाल मेला सहारनपुर की एक पुरानी परंपरा है, जो कई दशकों से चली आ रही है. यह सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यहां मनोरंजन, व्यापार और सामाजिक मेल-जोल का भी केंद्र है.

गांजा पीकर ड्राइवर खो रहे होश

शराब-ड्रग्स की लत से हो रहे एक्सीडेंट

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. भारत में सड़क हादसे हर साल लाखों लोगों की जान ले रहे हैं. अक्सर कहा जाता है कि तेज रफ्तार, खराब सड़कें हैं या ओवरलोडिंग के कारण ये हादसे हो रहे हैं. लेकिन एम्स ऋषिकेश की नई स्टडी ने कुछ और कारण खोज निकाले हैं, जिस पर गंभीरता से सोचना होगा. इस स्टडी में सामने आया है कि सड़क पर होने वाले आधे से ज्यादा हादसों में शराब जिम्मेदार होती है, वहीं हर पांचवें हादसे में गांजा या ड्रग्स और हर चौथे हादसे में थकान या नींद की झपकी का रोल होता है.

क्या कहते हैं आंकड़े : एम्स ऋषिकेश के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती हुए 383 ड्राइवर पीड़ितों पर रिसर्च में सामने आया कि 57.7% ड्राइवर शराब पीकर गाड़ी चला रहे थे. वहीं 18.6% ने गांजा और दूसरी साइकोट्रॉपिक दवाएं ली थीं. इसके अलावा 14.6% ड्राइवर शराब और ड्रग्स दोनों के असर में थे. 21.7% को दिन में जरूरत से ज्यादा नींद (EDS) की समस्या थी. बाकी 26.6% को थकान और नींद से जुड़ी दिक्कतें थीं.

कैसे हुई स्टडी : एम्स के न्यूरोसाइकेट्री विभाग के विशेषज्ञ डॉ. रवि गुप्ता बताते हैं कि एम्स में हमने हर मरीज का ब्लड और यूरिन टेस्ट किया और validated sleep tools से उनकी नींद का पैटर्न समझा.

झपकी बनी मौत की वजह

एक रिपोर्ट के मुताबिक हर साल लाखों हादसे ऐसे होते हैं जिनमें ड्राइवर का झपकी लेना एक बड़ी वजह होती है. परिवहन मंत्रालय के अनुसार 27% एक्सीडेंट ड्राइवर की नींद आने से होते हैं. कई हादसों में ड्राइवर ने खुद माना कि लंबी ड्यूटी और नींद न मिलने से कंट्रोल खो गया. आपको बता दें कि ड्राइवरों ने बातचीत में खुद माना कि ट्रक और बस ड्राइवर कई बार 24-30 घंटे लगातार गाड़ी चलाते हैं, जबकि नियम है कि एक दिन में 8 घंटे से ज्यादा ड्यूटी नहीं होनी चाहिए. देखा जाए तो नियम-कानून तो हैं, लेकिन जमीनी सच अलग है.

भारत पर भड़के जेलेंस्की का बड़ा दांव!

जानें- डीजल खरीद क्यों रोक रहा है यूक्रेन

राष्ट्रबाण

यूक्रेन के एनर्जी कंसल्टेंसी फर्म एनकोर (Enkorr) ने सोमवार को कहा कि यूक्रेन भारत से डीजल की खरीद बंद करने जा रहा है. फर्म के मुताबिक, यूक्रेन 1 अक्टूबर से भारत से उत्पादित डीजल ईंधन के आयात पर प्रतिबंध लगाएगा. बताया जा रहा है कि यह रोक भारत के रूसी तेल की खरीद को देखते हुए लगाई जा रही है.

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने एनकोर के हवाले से यह खबर दी है. एजेंसी के मुताबिक, यूक्रेन की एक अन्य कंसल्टेंसी, ए-95 ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि इस साल की गर्मियों में एक प्रमुख यूक्रेनी तेल रिफाइनरी को बंद करना पड़ा था.

रिफाइनरी के बंद होने की वजह से यूक्रेनी व्यापारियों को भारत से डीजल ईंधन खरीदकर आयात करके इसकी भरपाई करनी पड़ी. यहां तक कि यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय ने भी भारत से ईंधन की खरीद की है क्योंकि इसकी क्वालिटी काफी अच्छी मानी जाती है. रूस ड्रोन और मिसाइलों से यूक्रेन की तेल रिफाइनरियों और एनर्जी स्टोर करने वाले भंडारों पर हमले कर रहा है. इससे यूक्रेन की रिफाइनरियों और तेल स्टोरेज फैसिलिटी को नुकसान हुआ है.

एनकोर ने कहा कि यूक्रेन ने अगस्त में 119,000 टन भारतीय डीजल ईंधन का आयात किया, जो उसके कुल डीजल आयात का 18% है.

फरवरी 2022 में रूस के साथ युद्ध की शुरुआत से पहले यूक्रेन घरेलू उत्पादन की कमी को देखते हुए बेलारूस और रूस से डीजल ईंधन का आयात करता था. लेकिन युद्ध की शुरुआत के बाद से यूक्रेन यूरोपीय देशों से ईंधन खरीद रहा है. ए-95 ने कहा कि साल की पहली छमाही में डीजल ईंधन का आयात साल-दर-साल 13% घटकर 2.74 मिलियन मीट्रिक टन रह गया.

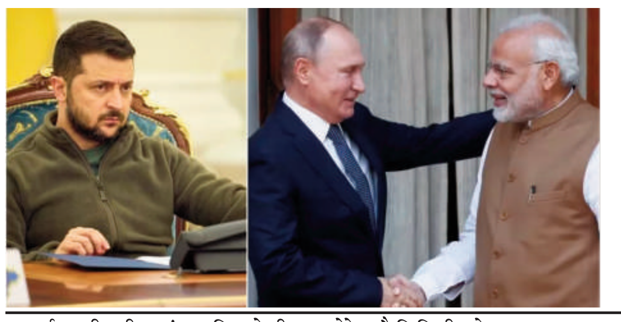

भारतीय डीजल की जांच करेगा यूक्रेन

एनकोर का कहना है कि यूक्रेनी सुरक्षा एजेंसियों ने आदेश दिया है कि भारत से खरीदे गए सभी तरह के डीजल की जांच की जानी चाहिए. फर्म ने कहा कि भारतीय डीजल की लैब में जांच हो ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि उसमें रूसी कॉम्पोनेंट्स मौजूद तो नहीं हैं.

हिंदू बनकर प्रेमजाल में फंसाया

शादी का झांसा देकर बनाए शारीरिक संबंध

राष्ट्रबाण

वडोदरा. गुजरात के वडोदरा से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहां एक मुस्लिम युवक ने खुद को हिंदू बताकर एक युवती को शादी का झांसा दिया और लंबे समय तक उसका यौन शोषण करता रहा. मामला मांजलपुर थाना क्षेत्र का है. युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि आरोपी युवक का नाम इकबाल परमार है. उसने खुद को हिंदू बताते हुए अपना नाम प्रतीक पटेल बताया था.

आरोपी ने पहले दोस्ती की और फिर शादी का लालच देकर युवती को प्रेम संबंध में फंसा लिया. युवती का आरोप है कि आरोपी उसे कई बार राजस्थान घुमाने ले गया और शादी का भरोसा देकर शारीरिक संबंध बनाए. इस दौरान वह तीन बार गर्भवती भी हुई.

नाम बदलकर युवती का यौन शोषण

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि जब उसे आरोपी की असली पहचान का पता चला तो उसने संबंध बनाने से इनकार कर दिया. इस पर आरोपी ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और धमकी दी कि अगर वह उसकी नहीं हुई तो किसी और की भी नहीं होने देगा. युवती का कहना है कि आरोपी ने जहां भी मिलेगा वहां जान से मारने की धमकी दी.

नियम आम यात्रियोंयात्रियोंपरअसर

जनरल टिकट वालों के लिए आधार जरूरी?

नई दिल्ली. भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है. अब ऑनलाइन या काउंटर से तत्काल टिकट खरीदने के लिए यात्रियों को आधार आधारित ओटीपी वेरीफिकेशन करना अनिवार्य होगा. यह नियम 15 जुलाई 2025 से लागू हो गया है. रेलवे मंत्रालय का कहना है कि इस कदम का मकसद दलाल और फर्जी बुकिंग पर रोक लगाना है, ताकि आम यात्री को राहत मिल सके.

आधारऑथेंटिकेशनहोगाजरूरी: रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में जानकारी दी थी कि अब तत्काल टिकट बुक करने से पहले यात्री को ई आधार ऑथेंटिकेशन करना होगा. इसमें यात्री को अपने आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी मिलेगा, जिसे दर्ज करने के बाद ही टिकट बुक होगी. बिना ओटीपी के टिकट बुक करना संभव नहीं होगा. कई यात्रियों के मन में सवाल है कि क्या अब जनरल टिकट खरीदने के लिए भी आधार कार्ड दिखाना पड़ेगा. ऐसे में रेलवे अधिकारियों ने साफ किया है कि यह नियम केवल तत्काल टिकट बुकिंग पर लागू होगा. यानी साधारण जनरल टिकट लेने वाले लोगों को आधार कार्ड दिखाने की जरूरत नहीं है. यात्री पहले की तरह टिकट खिड़की या मोबाइल ऐप से बिना किसी पहचान पत्र के सामन्य टिकट खरीद सकते हैं.

नए सिस्टम में खास प्रावधान यह है कि तत्काल टिकट बुकिंग खुलने के शुरुआती 10 मिनट तक आईआरसीटीसी एजेंट टिकट बुक नहीं कर पाएंगे. एसी क्लास टिकट के लिए सुबह 10 बजे से 10:30 बजे तक एजेंट बुकिंग नहीं कर सकेंगे वहीं नॉन एसी क्लास टिकट के लिए सुबह 11 बजे से 11:30 तक एजेंट बुकिंग नहीं कर पाएंगे. जिससे आम लोगों को पहले टिकट पाने का ज्यादा मौका मिलेगा.

आधार कोआईआरसीटीसीअकाउंट से करनाहोगालिंक

जो यात्री ऑनलाइन टिकट बुक करते हैं उन्हें पहले से ही अपना आईआरसीटीसी प्रोफाइल आधार कार्ड से लिंक करना जरूरी होगा. इसके लिए आईआरसीटीसी वेबसाइट या रेल कनेक्ट ऐप पर लॉगिन करना होगा इसके बाद माय अकाउंट सेक्शन में जाकर ऑथेंटिकेट यूजर पर क्लिक करना होगा. अब यूजर को आधार नंबर दर्ज करके ओटीपी से वेरीफाई करना होगा. इस प्रक्रिया के बाद आपका अकाउंट आधार से जुड़ जाएगा और आप आसानी से तत्काल टिकट बुक कर पाएंगे.

क्या गठबंधन में राज की भूमिका भारी है?

उद्धव 'दादू' के बैकफुट पर जाने के संकेत, ये मुद्दा बनेगा गेमचेंजर

राष्ट्रबाण

मुंबई. आगामी नगर निगम चुनावों की पृष्ठभूमि में, मनसे प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के बीच गठबंधन तय माना जा रहा है. हालाँकि, कहा जा रहा है कि इस गठबंधन में राज ठाकरे का पलड़ा भारी है. उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शिवसेना की स्थिति फिलहाल नाजुक है. 2022 में एकनाथ शिंदे की बगावत के कारण शिवसेना में हुए विभाजन के बाद, ठाकरे गुट दिन-ब-दिन कमजोर होता दिख रहा है. पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में ठाकरे को केवल 20 सीटें मिली थीं. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मराठी वोटों के लिए उन्हें राज ठाकरे की मदद की ज़रूरत है क्योंकि पिछले तीन सालों में कई बड़े नेता, पूर्व मंत्री-विधायक, पूर्व नगरसेवक और कार्यकर्ता उद्धव ठाकरे का साथ छोड़ चुके हैं.बाला-साहेब ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना ने लगभग तीन दशकों तक मुंबई नगर निगम (बीएमसी) पर निर्विवाद प्रभुत्व बनाए रखा था. 2017 के नगर निगम चुनावों में, भाजपा शिवसेना के काफी करीब पहुँच गई थी, जिससे पता चला कि शिवसेना का प्रभुत्व एकतरफा नहीं था. उस समय, राज्य में गठबंधन के बावजूद, भाजपा ने विपक्ष में बैठकर शिवसेना को नगर निगम के मामलों पर कब्ज़ा करने दिया. लेकिन उसने कई मुद्दों पर शिवसेना को घेरने की भी कोशिश की. विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया था कि उद्धव ठाकरे, एशिया की सबसे अमीर मुंबई नगर निगम को 'दूध देने वाली गाय' या 'सोने के अंडे देने वाली मुर्गी' समझते हैं.

27 जुलाई को राज ठाकरे उद्धव ठाकरे को जन्मदिन की शुभकामना देने उनके आवास 'मातोश्री' गए, जबकि अगस्त में उद्धव ठाकरे और उनका परिवार गणपति दर्शन के लिए राज ठाकरे के 'शिवतीर्थ' आवास पर गए थे. पिछले हफ़्ते दोनों दलों के नेता 'शिवतीर्थ' में मिले थे.

इस बीच, पिछले हफ़्ते राज ठाकरे के 'शिवतीर्थ' आवास पर उद्धव ठाकरे, संजय राउत और अनिल परब ने लगभग ढाई घंटे तक बीएमसी चुनाव में सीटों के बंटवारे पर चर्चा की. हालाँकि, संजय राउत ने इस बैठक को 'पारिवारिक बैठक' बताया. राउत हमेशा कहते रहे हैं कि उद्धव और राज ठाकरे साथ आएंगे. विश्लेषकों ने कहा, राज ठाकरे के आवास पर दो घंटे बिताने के बाद भी, राउत ने बैठक को पारिवारिक बैठक बताया, जिसका मतलब है कि राज ठाकरे ने कोई कड़ा रुख़ अपनाया होगा, जिससे उद्धव ठाकरे और उनकी पार्टी बैकफुट पर आ गई और राउत को बैठक को पारिवारिक बैठक कहना पड़ा. उन्होंने आगे कहा कि इससे उद्धव ठाकरे और मुश्किल में पड़ गए हैं. पूर्व पत्रकार संदीप आचार्य ने कहा, दोनों चचेरे भाइयों को एक-दूसरे की ज़रूरत है, उनके ज़्यादातर समर्थक एक ही हैं. उद्धव ने राज से मदद की अपील की है. यह सच है कि दोनों को एक-दूसरे की ज़रूरत है, लेकिन उनके ज़्यादातर मतदाता एक ही हैं. सीटों का बंटवारा एक अहम मुद्दा हो सकता है और राज अपनी पार्टी के लिए अच्छी हिस्सेदारी ज़रूर मांगेंगे.

एकता की शुरुआत कहाँ से होती है?

19 अप्रैल को, फिल्म निर्माता-अभिनेता महेश मांजरेकर के साथ एक पॉडकास्ट में, राज ठाकरे ने कहा था, मैं मराठी अस्मिता और महाराष्ट्र के कल्याण के लिए सब कुछ भूलने को तैयार हूँ. उसी दिन, उद्धव ठाकरे ने भी अपने मतभेद भुलाकर एक साथ आने की इच्छा जताई थी. 20 अप्रैल को, जब संजय राउत ने इस बैठक को भाइयों के बीच भावनात्मक संवाद कहा, तो दोनों दलों के एक साथ आने की संभावना और बढ़ गई.इस बीच, उद्धव और राज ठाकरे एक साथ आए और स्कूलों के लिए त्रि-भाषा नीति के मुद्दे पर कड़ा विरोध जताया. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार द्वारा त्रि-भाषा नीति वापस लेने के बाद, ठाकरे बंधुओं ने जुलाई की शुरुआत में एक साथ विजय रैली निकाली. इससे संकेत मिलता है कि ठाकरे परिवार में मतभेद कम हो गए हैं.

एक राजनीतिक विश्लेषक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, उद्धव ठाकरे को मराठी वोटों की ज़रूरत है, इसलिए राज ठाकरे को गठबंधन में ज़्यादा अहमियत मिल गई है.एक मनसे नेता ने कहा, उद्धव ठाकरे की पार्टी की कमज़ोर स्थिति को जानते हुए, राज ठाकरे मज़बूत स्थिति से बातचीत कर रहे हैं.उद्धव ठाकरे ने 2017 में मनसे के सात में से छह पार्षदों को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया था, जिससे राज ठाकरे कमज़ोर हो गए थे. अब उद्धव ठाकरे को राज ठाकरे के शहरी मराठी वोटों की ज़रूरत है, इसलिए गठबंधन में राज ठाकरे का पलड़ा भारी माना जा रहा है.

आचार्य ने यह भी बताया कि ऐसे कई मौके आए जब राज ने उद्धव से हाथ मिलाने की इच्छा जताई, लेकिन उद्धव ने उन्हें कोई जवाब नहीं दिया. इससे राज को बड़ा नुकसान हुआ. इन सब बातों का मौजूदा बहस पर भी असर पड़ेगा. उद्धव को यह भी समझना होगा कि राज के साथ गठबंधन से उन्हें कुछ वोट तो मिलेंगे, लेकिन वे मुसलमानों और गैर-मराठी भाषियों का समर्थन खो सकते हैं, जिन्होंने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी को वोट दिया था. इस बीच, भाजपा नेता आशीष शेलार और प्रवीण दरेकर ने कहा है कि इन घटनाक्रमों का चुनाव नतीजों पर ज़्यादा असर नहीं पड़ेगा. आशीष शेलार ने वर्ली की रैली को 'पारिवारिक मिलन' बताया, जबकि दरेकर ने कहा कि ये घटनाएँ उद्धव ठाकरे की 'बेबसी' को दर्शाती हैं.

पवार का बिल्डर्स को अल्टिमेटम

ट्रैफिक व्यवस्था और अवैध कब्जे को लेकर सख्त

राष्ट्रबाण

पुणे. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और पुणे के संरक्षक मंत्री अजित पवार एक्शन में हैं. पुणे में ट्रैफिक व्यवस्था और अवैध कब्जे को लेकर वह सख्त हुए हैं. हालांकि यह सब तब हुआ, जब उन्हें लोगों की नाराजगी उठानी पड़ी. रविवार को वह विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करने पहुंचे थे. उन्होंने पुणे के केशवनगर-मुंधवा-हडपसर क्षेत्र का दौरा किया. इस दौरान लगातार यातायात की भीड़भाड़ और पर्याप्त जल आपूर्ति, गुणवत्तापूर्ण सड़कें और उचित परिवहन सेवा जैसी अन्य नागरिक सुविधाओं की कमी को लेकर निवासियों के गुस्से का सामना करना पड़ा.अपनी ओर से, अजित पवार ने अधिकारियों को नागरिकों की मांगों को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए. साथ ही उन्होंने नियमों का उल्लंघन करने वाले बिल्डरों या ठेकेदारों को काम रोकने का नोटिस जारी करने को कहा.अजित पवार ने कहा कि अधिकारियों को उन बिल्डरों को काम रोकने का नोटिस जारी करने पर विचार करना चाहिए जो नागरिक नियमों का पालन नहीं करते हैं. पवार ने यह बयान हडपसर निर्वाचन क्षेत्र के एक समीक्षा दौरे के दौरान दिया. यहां उन्होंने पुणे नगर निगम (पीएमसी) के अधिकारियों और स्थानीय निवासियों के साथ बातचीत की.

सीएमओ तक शिकायत का अल्टिमेटम

अजित पवार ने कहा कि क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले कई स्थानीय स्वशासी निकायों के कारण एक जटिल स्थिति पैदा हो गई है. पीएमआरडीए भवन निर्माण की अनुमति दे रहा है, जबकि पीएमसी से नागरिक सुविधाएं प्रदान करने की अपेक्षा की जाती है. यदि आवश्यक हो, तो अनुमति देने का अधिकार पीएमसी को सौंपा जा सकता है. इस मुद्दे को मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचाया जा सकता है.

फास्ट ट्रैक

ठाणे में खड़े पानी के टैंकर से टकराया ऑटो

राष्ट्रबाण

मुंबई. महाराष्ट्र के ठाणे शहर में रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ. जानकारी के अनुसार, कैडबरी जंक्शन रोड के पास एक ऑटो रिक्शा खड़े पानी के टैंकर से जा टकराया. टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो के अंदर बैठे तीन यात्री फंस गए. यह हादसा रविवार आधी रात से कुछ पहले हुआ है.न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक ठाणे नगर निगम आपदा प्रबंधन विभाग के प्रमुख यासीन तडवी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंचा. फायर ब्रिगेड कर्मियों ने लगभग आधे घंटे की मशक्कत के बाद तीनों यात्रियों को बाहर निकाला. सभी को तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया.

अस्पताल पहुंचने पर एक यात्री, जिसकी पहचान बाबलू के रूप में हुई उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. दो अन्य यात्री, जिनकी उम्र क्रमशः 56 और 29 साल बताई जा रही है, गंभीर रूप से घायल हैं. उन्हें इलाज के लिए मुंबई के सायन अस्पताल रेफर किया गया है.इस हादसे की वजह से व्यस्त ईस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया था. हालांकि क्षतिग्रस्त ऑटो रिक्शा को हटाए जाने के बाद यातायात सामान्य कर दिया गया. पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है.

हादसे के बाद सीमेंट मिक्सर के हेल्पर का अपहरण

निलंबित IAS अधिकारी पूजा खेड़कर के बंगले से बरामद

राष्ट्रबाण

नवी मुंबई. महाराष्ट्र के नवी मुंबई में शनिवार शनिवार रात नवी मुंबई के ऐरोली से किडनैप किए गए सीमेंट मिक्सर के हेल्पर को रबाले पुलिस ने पुणे स्थित निलंबित आईएएस पूजा खेड़कर के घर से छुड़ा लिया है. हेल्पर को बचाने गई पुलिस की टीम के साथ खेडकर की मां ने बहस की और दरवाजा खोलने से इनकार कर दिया था. इसके चलते उसे बचाने में काफी समय लग गया. पुलिस ने खेडकर की मां को नोटिस देकर जवाब तलब किया है. वहीं, किडनैपिंग के मामले में खेडकर के कार चालक की तलाश की जा रही है.

जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब साढ़े 7 बजे ऐरोली सिग्नल के पास सीमेंट मिक्सर चालक ने एसयूवी कार को टक्कर मार दी थी. इसके बाद कार में बैठे दो लोगों ने सीमेंट मिक्सर चालक और हेल्पर से झगड़ा किया. दोनों ने हेल्पर को कार में बिठाकर ड्राइवर से कहा कि पीछे-पीछे आओ. चालक ने कार का पीछा किया, लेकिन थोड़ी देर बाद कार आगे निकल गई. मिक्सर चालक ने मालिक को फोनकर जानकारी दी. खारघर पहुंचने के बाद चालक ने मालिक को बताया कि प्रहलाद कुमार फोन नहीं उठा रहा है.

डीसीपी (जोन 1) पंकज दहाने ने बताया कि जिस एसयूवी से हादसा हुआ वो पूजा ऑटोमोबाइल्स के नाम पर है. यह पता निलंबित आईएएस (IAS) अधिकारी पूजा खेड़कर के पुणे स्थित बंगले का है. बता दें कि शिकायतकर्ता विलास ढेंगरे सीमेंट मिक्सर के मालिक हैं. उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके ड्राइवर चांदकुमार चव्हाण ने उन्हें बताया कि मुलुंड-ऐरोली पुल पर एक ट्रैफिक सिग्नल पर एसयूवी ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी. इसके बाद दोनों में बहस हुई. एसयूवी ड्राइवर ने ट्रक के हेल्पर प्रहलाद कुमार को राबले पुलिस स्टेशन चलने के लिए कहा. शनिवार को रात करीब 8.30 बजे चव्हाण ने ढेंगरे को फोन किया और बताया कि कुमार उसके फोन का जवाब नहीं दे रहा है. चव्हाण और ढेंगरे खारघर में हाईवे पर मिले और कुमार को खोजने लगे, लेकिन वह नहीं मिला.

पुलिस ने पीड़िता को छुड़ाया

बाद में राबले पुलिस ने एसयूवी को पुणे में खोज निकाला. पुणे पुलिस की मदद से कुमार को छुड़ा लिया गया. एसआई सावंत ने कहा कि पीड़ित को निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा खेड़कर के औंध स्थित बंगले में रखा गया था. हालांकि, वहां के लोगों ने हमारी टीम का सहयोग नहीं किया. खेड़कर की मां और घर के अन्य लोगों को पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है. वहीं इस मामले में पूजा खेड़कर की ओर से कोई सफाई सामने नहीं आई है.

'CJI की टिप्पणी से क्या हवा बदल जाएगी?'

पटाखा बैन को लेकर दिए बयान पर संजय राउत का सवाल

राष्ट्रबाण

मुंबई. चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने स्वच्छ हवा के मद्देनजर पटाखों पर पाबंदी लगाने को लेकर बड़ी टिप्पणी की थी. उन्होंने कहा था कि पटाखों पर बैन केवल दिल्ली में ही क्यों हो? क्या बाकी शहरों में लोगों को साफ हवा का अधिकार नहीं? सीजेआई के इस बयान पर अब उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी की प्रतिक्रिया आई है.

शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र सामना के संपादकीय में संजय राउत ने सीजेआई भूषण गवई के सामने कई सवाल खड़े कर दिए. उन्होंने लिखा, चीफ जस्टिस भूषण गवई ने राय व्यक्त की है कि पटाखों ने प्रदूषण की गंभीर समस्या पैदा कर दी है. सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में पटाखों के निर्माण, बिक्री और उपयोग पर पहले ही प्रतिबंध लगा दिया है. इस पर चीफ जस्टिस की महत्वपूर्ण राय है कि स्वच्छ हवा का अधिकार केवल दिल्ली के नागरिकों तक ही सीमित क्यों होना चाहिए? देश के हर नागरिक को स्वच्छ हवा का अधिकार है.

'केवल पटाखों से खराब नहीं होता पर्यावरण'

सामना में आगे लिखा गया है कि, दूसरी बात, हम यह मानने को तैयार नहीं हैं कि केवल पटाखे ही प्रदूषण का कारण हैं. पिछले 10 साल में महाराष्ट्र समेत देश भर में व्यापारिक कारणों से वनों और पहाड़ों की कटाई हुई है, उतनी तो ब्रिटिश काल में भी नहीं हुई होगी. चंद्रपुर, गढ़चिरौली आदि महाराष्ट्र के कई हिस्सों में वैध और अवैध रूप से खनन उद्योग चल रहा है और ईमानदारी के साथ ऊपर से नीचे तक हफ्ताबाजी चल रही है. जो तबाही मचाई जा रही है, वह सरकारी संरक्षण के बिना संभव नहीं है.

'क्या गरीबों को आजीविका का दूसरा जरिया देगा सुप्रीम कोर्ट?'

संजय राउत ने तंज कसते हुए कहा कि जज आते हैं और प्रवचन झाड़कर चले जाते हैं. ऐसे में पटाखों पर प्रतिबंध और स्वच्छ हवा के अधिकार का और क्या होगा? देश भर में दिवाली के त्योहार पर पटाखे फोड़े जाते हैं. उत्सवों और विजय जुलूसों में पटाखों का इस्तेमाल होता है. देश के लाखों लोग पटाखा उद्योग पर निर्भर हैं. क्या पटाखा उद्योग पर प्रतिबंध लगाकर सुप्रीम कोर्ट सरकार को इन गरीब मजदूरों की आजीविका के लिए कोई योजना देने जा रहा है?

'टिप्पणी करने से देश की हवा बदल जाएगी?'

संजय राउत का कहना है कि चीफ जस्टिस ने कुछ भी गलत नहीं कहा, लेकिन क्या ऐन दिवाली के पहले चीफ जस्टिस द्वारा स्वच्छ हवा के अधिकार पर टिप्पणी करने से देश की हवा बदल जाएगी? मूल रूप से देश की हवा, पानी, आकाश और जमीन अब तानाशाहों के हाथों में है और तानाशाह हवा की दिशा, नदियों के प्रवाह को तय करते हैं. समान न्याय, संविधान के अनुसार न्याय यह अधिकार डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने प्रत्येक भारतीय को दिया था, लेकिन क्या यह न्याय आज वास्तव में दिया जा रहा है? न तो स्वच्छ हवा है और न ही निष्पक्ष न्याय.

फसलें डूबीं, पानी में फंसे 44 लोग

बीड में मूसलाधार बारिश से बाढ़ का खतरा

राष्ट्रबाण

बीड. महाराष्ट्र के बीड जिले में भारी बारिश की वजह से जनजीवन पूरी तरह से ठप हो चुका है. पिछले 24 घंटों से बीड के कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है, जिसकी वजह से कडा गांव पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है. इतना ही नहीं, कडा में 40 से ज्यादा लोग पानी में फंसे होने की वजह से मुश्किल में हैं.

जलस्तर बढ़ने के कारण इन लोगों को एयरलिफ्ट किया जा रहा है. बीड के जिलाधिकारी और आष्टी के विधायक सुरेश धस कडा जाकर रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा ले रहे हैं. आर्मी की टीम लोगों को रेस्क्यू कर रही है. पानी का संकट देखकर सरकार ने पुणे से एक एनडीआरएफ की टीम आष्टी तहसील के लिए रवाना कर दी है.आष्टी में जो 44 लोग पानी में फंसे हुए हैं, उनमें से 11 लोग कडा गांव में है. सोभा निमगाव में 14, पिंपरी में 4, पिंपरखेड में 6, धानोरा में 3 और डोंगरगण में भी 3 लोग फंसे हुए हैं. आष्टी के कडा गांव के कई घर नदी के पास बसे हुए हैं. भारी बारिश की वजह से अचानक जलस्तर बढ़ना शुरू हो गया. लोग पानी कम होने की राह देख रहे थे लेकिन उल्टा बारिश की वजह से नदी उफान पर आ गई और लोग घर में ही फंस गए. पानी का संकट गहरा होते देख लोगों ने अपने घरों की छत पर आसरा लिया हुआ था.भारी बारिश की वजह से किसानों का भी काफी नुकसान हुआ है.

पाकिस्तानी समझकर नीदरलैंड के सिंगर का विरोध

लोगों को होटल में जाने से रोका, 14 हिरासत में

राष्ट्रबाण

पुणे. पुणे के यरवदा के बॉलर पब कलाकार इमरान नासिर खान का एक कार्यक्रम होना था. इमरान नासिर यूं तो नीदरलैंड से आते हैं, लेकिन अचानक चर्चा उठी कि उनका कनेक्शन पाकिस्तान से है. इसके बाद वहां बवाल शुरू हो गया. दरअसल, यरवदा के कल्याणीनगर स्थित पब बॉलर में रविवार (14 सितंबर) नीदरलैंड के नागरिक और कलाकार इमरान नासिर खान का एक कार्यक्रम था. सोशल मीडिया पर खबर फैल गई कि यह कलाकार पाकिस्तानी नागरिक है. इसके बाद कुछ संगठन कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन करने के लिए होटल बॉलर में इकट्ठे हो गए.

विरोध करने वाले कार्यकर्ता सकल हिंदू समाज नाम के संगठन से जुड़े थे. इन लोगों ने पब के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया और इमरान नासिर खान का प्रोग्राम न होने देने की बात कही. उनका कहना था कि सिंगर कहीं से भी आया हो, लेकिन पाकिस्तान से ताल्लुक रखता है. इसलिए भारत में उसका शो नहीं होने देंगे.

यह बात सामने आई भी कि सिंगर असल में पाकिस्तान का नहीं, बल्कि नीदरलैंड का नागरिक है. हालांकि, लोग माने नहीं. उन्होंने प्रोग्राम अटेंड करने के लिए पब में जा रहे लोगों को रोकने की कोशिश की. हिंसा की आशंका को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से 14 लोगों को हिरासत में ले लिया और मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई.

हालांकि, कुछ लोगों का कहना था कि इमरान नासिर भले ही नीदरलैंड की नागरिकता रखते हों लेकिन मूल रूप से पाकिस्तान से आते हैं. ऐसे में लगातार विरोध प्रदर्शन चलता रहा और दर्शकों की एंट्री बंद करने की कोशिश की गई.

शांतिपूर्ण है स्थिति

यह सुनिश्चित करने के लिए कि वहां कानून का उल्लंघन न हो और हिंसा बढ़ ना जाए, इसके लिए पुलिस ने कई कड़े कदम उठाए. फिलहाल, यरवदा पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर रवींद्र शेलके ने जानकारी दी है कि अब स्थिति शांतिपूर्ण है.

मुंबई में एक बार फिर बहुत भारी बारिश का RED ALERT

राष्ट्रबाण

मुंबई. मौसम विभाग की ओर से महाराष्ट्र के करीब 7 जिलों के लिए भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है. इन जिलों में मुंबई, ठाणे, रायगढ़, पालघर, सिंधुदुर्ग, धुले और रत्नागिरी शामिल हैं, जहां बारिश का ऑरेंज अलर्ट है. मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, सोमवार (15 सितंबर) के लिए लोगों को सावधानी बरतनी होगी. 16 सितंबर से हल्की या मध्यम बारिश के आसार हैं.

मौसम विभाग द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार, पालघर, ठाणे, मुंबई, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग और धुले में बिजली कड़कने के साथ भारी बारिश होगी. इस दौरान हवाएं 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी. इसके बाद 16 से 18 सितंबर तक मध्यम बारिश की संभावना है. हालांकि, रायगढ़ और रत्नागिरी में 16 सितंबर को भी भारी बारिश हो सकती है.महाराष्ट्र में एक बार फिर बारिश ने मुसीबत खड़ी कर दी है. रविवार (14 सितंबर) की रात से ही कई इलाकों में तेज बरसात हो रही है, जिसके चलते जलभराव की समस्या पैदा हो गई. मुंबई के किंग्स सर्कल इलाके में सड़कें लबालब भरी हुई हैं. इतना ही नहीं, एक बार फिर तकनीकी खराबी की वजह से मोनोरेल रुक गई. जनसंपर्क अधिकारी ने जानकारी दी कि वडाला में मनोरेल में खराबी आ गई. इसके बाद सुबह 7.45 तक 17 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया.

पाकिस्तान से मैच खेलना ही नहीं चाहिए था

पहलगाम टेरर हमले में जान गंवाने वाले संतोष जगदाले की पत्नी की खरी-खरी

राष्ट्रबाण

पुणे. भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025 में 7 विकेट से शानदार जीत दर्ज की. भले ही कप्तान सूर्यकुमार यादव ने यह जीत पहलगाम हमले के पीड़ितों को समर्पित की, लेकिन इस आतंकी हमले में मारे गए संतोष जगदाले की पत्नी प्रगति जगदाले का मानना है कि टीम इंडिया को यह मैच ही नहीं खेलना था. उन्होंने आगे कहा कि मैं चाहती हूं कि दबाव में भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तान के खिलाफ न खेलें.

इंडिया को पाकिस्तान के खिलाफ ही नहीं खेलना चाहिए था

प्रगति जगदाले ने कहा कि सूर्यकुमार यादव से मैं यह कहना चाहूंगी कि इस जीत को पहलगाम हमले के पीड़ितों को समर्पित करने के बजाय टीम इंडिया को पाकिस्तान के खिलाफ ही नहीं खेलना चाहिए था. अगर भारत इस मुकाबले को नहीं खेलता, तो हम ज्यादा गर्व महसूस करते, लेकिन टीम इंडिया ने पाकिस्तान के खिलाफ खेला, जिससे हमारी भावनाओं को ठेस पहुंची है. उन्होंने कहा कि 26 लोगों को पाकिस्तान के आतंकियों ने मारा है. इससे पहले भी जितने आतंकी हमले हुए, उसमें पाकिस्तान के ही आतंकी थे. हमें पता है कि पाकिस्तान हमारा दुश्मन है. उनके साथ नहीं खेलना चाहिए.

भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तान के खिलाफ न खेलें

प्रगति जगदाले ने कहा कि टीम इंडिया ने जीत के साथ इस मुकाबले को पहलगाम हमले के पीड़ितों को समर्पित किया है, लेकिन अगर उन्हें जीत न मिलती, तो हमारे खिलाड़ियों को पछतावा होता. मैं चाहती हूं कि दबाव में भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तान के खिलाफ न खेलें. भारत ने रविवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम को 127/9 के स्कोर पर रोका.

राजनीति बधाई क्रिकेट टीम के लिए नहीं बल्कि महिला हॉकी टीम के लिए थी

CM ने टीम इंडिया को दी जीत की बधाई

राष्ट्रबाण

मुंबई. एशिया कप में भारत बनाम पाकिस्तान के मैच का पूरे देश में विरोध हुआ. दुबई इंटरनेशमल स्टेडियम में हुए इस मैच को देखने के लिए खासा उत्साह भी नहीं दिखा. यूं तो इंडिया-पाकिस्तान के हर मैच में कैपेसिटी से ज्यादा ही स्टेडियम भरा दिखता है, लेकिन इस बार पहली दफा ऐसा हुआ कि सीटें खाली मिलीं. पहलगाम हमले के बाद भारतीयों ने पाकिस्तान के साथ हुए क्रिकेट मैच का काफी हद तक बॉयकॉट किया.

इस बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने टीम इंडिया को जीत की बधाई दी. बता दें, यह बधाई क्रिकेट टीम के लिए नहीं बल्कि इंडिया की महिला हॉकी टीम के लिए थी.

भारतीय महिला हॉकी टीम की तारीफ

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, महिला एशिया कप 2025 में रजत पदक जीतने पर हमारी भारतीय महिला हॉकी टीम और कप्तान सलीमा टेटे को हार्दिक बधाई. यह उल्लेखनीय उपलब्धि आपके समर्पण, अनुशासन और अटूट टीम भावना को दर्शाती है. भारत को आपकी उपलब्धि पर गर्व है. आपको भविष्य में और भी अधिक सफलता और कई शानदार जीत की शुभकामनाएं!

एशिया कप में भारत की टीम को ब्रॉन्ज मेडल

महिला हॉकी एशिया कप 2025 के फाइनल मैच में मेजबान चीन ने भारत की टीम को 4-1 से हराया. इंडियन टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया. फाइनल तक पहुंचने का महिला हॉकी टीम का सफर काबिल-ए-तारीफ था. फाइनल मैच की शुरुआत भारत के लिए शानदार रही. पहले ही मिनट में इंडिया को पेनाल्टी कॉर्नर मिला और गोल दाग दिया.

इसके बाद डिफेंस ने भी शुरुआती क्वार्टर में शानदार खेला. हालांकि, टीम पर लगातार दबाव बनाते हुए चीन को 21वें मिनट में सफलता मिली. दूसरे हाफ में भी चीन का दबदबा रहा.

सट्टेबाजी केस में फंसी उर्वशी और मिमी चक्रवर्ती

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में कई जाने–माने नाम अब तक सामने आ चुके हैं. इसी बीच अब मशहूर एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला और टीएमसी की पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती का नाम भी सामने आया है, जिसने दोनों हसीनाओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है.

यह मामला अवैध सट्टेबाजी ऐप 1स्बेट से जुड़ा हुआ है, जिसके प्रचार-प्रसार में इन दोनों अभिनेत्रियों का नाम सामने आया है और इसी मामले में दोनों को दिल्ली मुख्यालय में पेश होकर अपने बयान दर्ज कराने होंगे.गौरतलब है कि, इस मामले में पहले भी उर्वशी रौतेला से पूछताछ हो चुकी हैं, लेकिन अब एक बार फिर से उन्हें समन जारी हुआ है और साथ ही मिमी चक्रवर्ती को भी तलब किया गया है. जानकारी के मुताबिक, उर्वशी रौतेला को 16 सितंबर को दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में पेश होना होगा. वहीं, मिमी चक्रवर्ती को 15 सितंबर को बुलाया गया है. यह पूरा मामला पिछले साल से चल रहा है और ईडी इस मामले में लगातार गहराई से जांच कर रही है. आरोप है कि इन कलाकारों ने मोटी फीस लेकर इस सट्टेबाजी ऐप का प्रचार किया, जो भारत में गैरकानूनी है. इस मामले में उर्वशी रौतेला और मिमी चक्रवर्ती के अलावा कई और बड़े नाम भी शामिल हैं, जिसमें विजय देवरकोंडा, प्रकाश राज, हरभजन सिंह, राणा दग्गुबाती, सुरेश रैना, शिखर धवन और युवराज सिंह जैसे क्रिकेटर और फिल्म जगत के कई सितारों के नाम शामिल हैं. इन सभी को भी पहले ईडी समन भेज चुकी है. बताया जा रहा है कि इस ऐप ने अपने प्रचार पर 50 करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्च किया है और ईडी इसी पैसों के लेनदेन की जांच कर रही है.

ऋतिक ने ठुकराई फिल्म

अपने करियर में हर एक्टर ने कई फिल्मों को छोड़ा होगा. इसके पीछे की वजह कुछ भी हो सकती है. स्क्रिप्ट, दूसरे काम में बिजी या फिर कुछ और. ऋतिक रोशन ने भी अपने करियर में कई बड़ी फिल्मों को ठुकराया है. जिसमें एक ब्लॉकबस्टर फिल्म भी शामिल है. अगर एक्टर यह फिल्म कर लेते, तो उनके करियर का पूरा गेम बदल जाता. जानिए 75 करोड़ में बनी ये फिल्म कौन सी है.इस फिल्म में हीरो को पाकिस्तान की स्पाई एजेंट से प्यार हो जाता है. अब परेशानी यह होती है कि वो खुद भारतीय एजेंट होता है. बढ़ते वक्त के साथ सबको उन दोनों के प्यार के बारे में पता चलता है. और अपने ही देश वाले हीरो के खिलाफ हो जाते हैं. यह फिल्म साल 2012 में रिलीज की गई थी.जी हां, यह सलमान खान की एक था टाइगर ही है. जिसमें उनके अपोजिट कटरीना कैफ ने काम किया था. 13 साल पहले फिल्म ब्लॉकबस्टर रही थी. इस पिक्चर के बाद सलमान खान की टाइगर जिंदा है आई. वहीं टाइगर 3 भी रिलीज की जा चुकी है.दरअसल इस फिल्म को 75 करोड़ के बजट से तैयार किया गया था. जिसने दुनियाभर से 320 करोड़ का कारोबार किया.

अंजली ने किया ऐसा डांस, हर कोई हुआ हैरान

'कच्चा बादाम गर्ल' के नाम से मशहूर सोशल मीडिया सेंसेशन अंजलि अरोड़ा अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी रहती हैं. कभी विवादों से सुर्खियों बटोरती हैं, तो कभी बोल्ड और हॉट वीडियोज और फोटोज से तहलका मचाती रहती हैं. इसी बीच इंफ्लुएंसर का एक डांस वीडियो इंटरनेट पर जमकर बवाल काट रहा है, जिसमें वह फेमस सिंगर नेहा कक्कड़ के गाने पर ऐसा डांस करती नजर आ रही हैं, जिसे देखकर आप भी शर्मा जाएं. अंजली का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है.इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहे अंजली अरोड़ा के इस वीडियो में सोशल मीडिया सेंसेशन का बेहद ही बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है. इस वीडियो में अंजली नेहा कक्कड़ के गाने 'तू प्यासा है' पर धमाकेदार डांस मूव्स दिखाती नजर आ रही हैं. अंजली के मूव्स ने फैंस के दिलों की धड़कन बढ़ा दी है. वीडियो में सोशल मीडिया सेंसेशन ने ब्लू कलर की साड़ी में ऐसे कातिल मूव्स दिखाए हैं जिसे देखकर फैंस पानी-पानी हो गए. इस गाने के बोल और अंजली के बोल्ड एक्सप्रेशंस का कॉम्बिनेशन दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है. उनकी अदाएं और किलर लुक को देखकर फैंस दीवाने हुए जा रहे हैं.

गोविंदा और अमिताभ किं हीरोइन रह चुकी हैं 'बाहुबली' की शिवगामी

2015 और 2017 में एसएस राजामौली की फिल्म बाहुबली के दो पाट्र्स आए, दोनों पाट्र्स ने दुनियाभर में जबरदस्त कमाई की थी. इस फिल्म में बाहुबली (प्रभास) की मां शिवगामी देवी का रोल राम्या कृष्णन ने निभाया था. उनका रोल काफी पॉपुलर हुआ था. इसके पहले कई फिल्मों में हीरो के साथ लीड रोल में नजर आईं और उन फिल्मों में उन्होंने रोमांटिक सीन भी दिए. राम्या तमिल

एक्ट्रेस हैं, लेकिन उन्होंने तेलुगू, मलायलम और कन्नड़ भाषाओं के अलावा हिंदी फिल्मों में भी काम किया है.15 सितंबर 1970 को चेन्नई में जन्मीं राम्या ने तमिल फिल्म वेल्लाई मानसउ (1985) से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. इनकी पहली मलयालम फिल्म नीरम पुलारुमबोल (1986) थी और पहली तेलुगू फिल्म भलाए मिथरुलु (1986) थी.राम्या ने रजनीकांत और कमल हासन जैसे सुपरस्टार्स के साथ भी लीड रोल में फिल्में की हैं. राम्या की पहली हिंदी फिल्म परंपरा (1993) थी, इसके बाद उन्होंने कई हिंदी फिल्मों में काम किया. यहां आपको उनकी 5 बेहतरीन हिंदी फिल्मों के बारे में बता रहे हैं.1993 में रिलीज हुई सुभाष घई की सुपरहिट फिल्म खलनायक में राम्या का काम कुछ देर का था, लेकिन उसमें ही वो कमाल कर गई थीं.

आमिर से रणबीर तक सोशल मीडिया से दूर हैं ये सितारे

बॉलीवुड सेलेब्स से जुड़ी कोई भी खबर अब बहुत जल्दी उनके फैंस के पास सोशल मीडिया के जरिए आसानी से पहुंच जाती है. सेलेब्स अब सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से जुड़े रहते हैं और खुद को लेकर अपडेट भी शेयर करते हैं. लेकिन, बॉलीवुड के कई ऐसे दिग्गज कलाकार भी हैं जो सोशल मीडिया से कोसों दूर हैं. आइए आज उन 6 सितारों के बारे में जानते हैं जो सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करते हैं.इस जनरेशन के सबसे बेहतरीन अभिनेता माने जाने वाले रणबीर कपूर की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है. हालांकि रणबीर सोशल मीडिया पर नहीं हैं. जबकि दूसरी ओर उनकी पत्नी और एक्ट्रेस आलिया भट्ट को 8.7 करोड़ से ज्यादा लोग इंस्टाग्राम पर फॉलो करते हैं.बॉलीवुड में 'मिस्टर परफे-क्शनिस्ट' के नाम से मशहूर आमिर खान भी सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करते हैं. उनके प्रोडक्शन हाउस 'आमिर खान

प्रोडक्शंस' का इंस्टाग्राम हैंडल है, लेकिन आमिर का नहीं है.करीना कपूर खान की इंस्टाग्राम पर अच्छी खासी फैन फॉलोइंग हैं. वो अक्सर ही अपनी और पति सैफ अली खान की तस्वीरें भी पोस्ट करती हैं. हालांकि सैफ अली खान सोशल मीडिया पर नहीं हैं. सैफ भी सोशल मीडिया से कोसों दूर हैं.रानी मुखर्जी बॉलीवुड में 29 सालों से काम कर रही हैं. अपने शानदार अभिनय के दम पर रानी ने लोगों के दिलों पर राज किया है. रानी भी सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करती हैं. रानी अब फिल्म 'मर्दानी 3' में नजर आएंगी जो 2026 में रिलीज होगी.हिंदी सिनेमा की सदाबहार अदाकारा रेखा भी सोशल मीडिया पर नहीं हैं. रेखा को हिंदी सिनेमा की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक के रूप में देखा जाता है. अपने

शाहिद-तृप्ति की फिल्म का टाइटल हुआ रिलीज

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर और डायरेक्टर विशाल भारद्वाज की जोड़ी एक बार फिर धमाका करने जा रही है. लंबे इंतजार के बाद उनकी नई फिल्म का नाम और रिलीज डेट फैंस के सामने आ चुकी है. शाहिद कपूर ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम पर पहला पोस्टर शेयर किया. इसमें वो काउबॉय हैट पहने हुए अपने हाथ से चेहरा छुपाते नजर आ रहे हैं. इसी के साथ शाहिद ने बताया कि फिल्म का नाम 'ओ रोमियो' है और ये फिल्म वैलेंटाइन डे 2026 पर रिलीज होगी.इस फिल्म में शाहिद कपूर के अपोजिट एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी नजर आएंगी. शाहिद और तृप्ति की जोड़ी पहली बार बड़े पर्दे पर साथ दिखेगी, जिससे फैंस की एक्साइटमेंट दोगुनी हो गई है. फिल्म में नाना पाटेकर, फरीदा जलाल और अविनाश तिवारी भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे. फिल्म को नाडिया-डवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया गया है.इस फिल्म में शाहिद कपूर की लवर बॉय वाली इमेज देखने को मिलेगी. जबकि आखिरी बार शाहिद कपूर फिल्म 'देवा' में देखा गया था, जिसमें उनका पुलिस ऑफिसर का किरदार था. वहीं 'ओ रोमियो' फिल्म एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है, इसमें शाहिद का रोमांटिक अवतार फैंस को सरप्राइज करेगा.

सोहा अली खान के साथ हुई शर्मनाक हरकत

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस सोहा अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'नो मीन्स नो' को लेकर चर्चा में हैं. इसी बीच एक्ट्रेस ने अपने साथ हुई एक ऐसी घटना का खुलासा किया है, जिसके बारे में सुनकर तो आपके भी होश उड़ जाएंगे. हैरान की बात तो यह है कि ये सब सोहा के साथ रात में नहीं बल्कि दिनदहाड़े हुआ. दरअसल, सोहा को एक शख्स अपना प्राइवेट पार्ट दिखाने लगा, इस घटना सो वह बेहद असहज हो गईं थीं.सोहा अली खान हाल ही में हॉटेरफ्ली यूट्यूब चैनल के 'द मेल फेमिनिस्ट' पॉडकास्ट का हिस्सा बनीं, जहां उन्होंने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में खुलकर तो बात की ही, साथ ही अपने अधिकारों पर बात करते हुए एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा भी किया. पॉडकास्ट के दौरान जब सोहा से पूछा गया कि क्या उन्हें कभी पब्लिक प्लेट में खुलेआम 'फ्लैश' किया गया है? तो जवाब में सोहा ने कहा 'हां.' एक्ट्रेस ने आगे इस बारे में बात करते हुए कहा कि, 'ऐसा मेरे साथ इटली में हुआ था. जाहिर तौर पर वहां ऐसा अक्सर होता रहता है, लेकिन दिनदहाड़े.सोहा ने आगे कहा कि, 'उसका मकसद क्या होता है? मुझे समझ में नहीं आता. पता नहीं उनके दिमाग में क्या चलता है. ऐसी हरकतें करने वालों के दिमाग में घुसकर वह इसे समझना भी नहीं चाहती हैं कि आखिर वो इस तरह की हरकत क्यों करते हैं.' इस दौरान उन्होंने बॉलीवुड में कास्टिंग काउच के बारे में भी बात की और बताया, 'मेरे पास यह खास चीज है कि मैं इंडस्ट्री फैमिली से हूं, कहीं ना कहीं शायद इसी वजह से मैं बच गई.

पूनम पांडे ने फिर मचाया बवाल

अपनी बेबाक अदाओं और बयानों के लिए मशहूर एक्ट्रेस और मॉडल पूनम पांडे एक बार फिर चर्चा में हैं. इस बार वजह उनका एक नया वीडियो है, जो उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच से पहले शेयर किया है. इस वीडियो में पूनम अपने चिर-परिचित अंदाज में टीम इंडिया को सपोर्ट करती नजर आ रह हैं, लेकिन इस बार उनका मैसेज कुछ ज्यादा ही खास है. आइए जानते हैं एक्ट्रेस का ये वीडियो क्यों वायरल हो रहा है.पूनम पांडे ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह मुंबई की बिजी सड़कों पर एक साइन बोर्ड लेकर खड़ी हैं, जिस पर लिखा है, 'मैं पूनम पांडे, मैं अभी जिंदा हूं और इंडिया जीतने वाली है.' यह देखकर न सिर्फ पूनम के फैंस बल्कि सड़क पर चलने वाले लोग भी हैरान हैं और इससे में भी ज्यादा हैरान करने वाला उनका इस वीडियो के साथ कैप्शन है.वीडियो शेयर करते हुए पूनम ने कैप्शन में लिखा, 'आज मुंबई की भीड़-भाड़ वाली सड़कों पर निकली, जाहिर है फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ गई. खैर, जोर से और साफ कह रही हूं कि इंडिया ही जीतेगा. आज के सबसे विवादास्पद (मुझसे भी ज्यादा) क्रिकेट मैच के लिए पूरी तरह तैयार हैं. क्या आप तैयार हैं?' एक्ट्रेस ने जैसे ही मैच के बीच यह पोस्ट शेयर किया वैसे ही यह वायरल हो गया.

राष्ट्रबाण
विदर्भ VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।
तापमान. नागपुर, अधिकतम 31.2°C न्यूनतम 25.4°C
नागपुर, मंगलवार, 16 सितंबर 2025

ओबीसी आक्रामक, लोकतांत्रिक तरीक़ों से लड़ेंगे, एक बड़ा विवाद शुरू

आरक्षण बचाने के लिए भूख हड़ताल

राष्ट्रबाण

अकोला. आरक्षण के मुद्दे पर अब विभिन्न ओबीसी समुदायों ने आक्रामक रुख अपना लिया है. आरक्षण को प्रभावित होने से बचाने के लिए समस्त ओबीसी की ओर से सोमवार से अकोला में आमरण अनशन शुरू कर दिया गया है. प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि वे ओबीसी आरक्षण बचाने के लिए लोकतांत्रिक तरीक़ों से लड़ेंगे. ओबीसी और मराठा आरक्षण को लेकर राज्य में एक बड़ा विवाद शुरू हो गया है. मराठा और ओबीसी आरक्षण का मुद्दा जहाँ एक ओर गंभीर स्थिति में पहुँच गया है, वहीं यह विवाद समाज में असंतोष और सामाजिक समरसता को खतरे में डाल रहा है. राज्य सरकार द्वारा हैदराबाद राजपत्र को मंज़ूरी दिए जाने के बाद अब मराठा समुदाय के लिए कुनबी प्रमाणपत्र प्राप्त करना संभव हो गया है. हालाँकि, इसी वजह से ओबीसी समुदाय में आरक्षण को लेकर भय का माहौल बना हुआ है.

महाराष्ट्र में ओबीसी वर्ग में लगभग 346 जातियाँ हैं. आरक्षण को लेकर माहौल काफ़ी गरम है. बॉम्बे उच्च न्यायालय की औरंगाबाद पीठ द्वारा दिए गए फ़ैसले के अनुसार, मराठा समुदाय पिछड़ा नहीं है. साथ ही, यह समुदाय सक्षम है और इसे आरक्षण देना उचित नहीं है. राज्य में मराठा समुदाय के नेता मनोज जरांगे के आंदोलन के बाद, राज्य सरकार ने हैदराबाद राजपत्र को लागू करके मराठा समुदाय को आरक्षण दिया है और प्रदर्शन-कारियों का आरोप है कि यह ओबीसी समुदाय के साथ अन्याय है. इसके विरोध में, ओबीसी समुदाय की ओर से सोमवार से अकोला ज़िला कलेक्ट्रेट के सामने लोकतांत्रिक तरीक़े से आमरण अनशन शुरू किया गया है. पाँच प्रतिनिधियों, जनार्दन हिरलकर, शंकर पारेकर, पुष्पा गुलवाडे, राजेश धोमाने, एडवोकेट भाऊसाहेब मेधशिकर ने आमरण अनशन शुरू किया. इस अवसर पर ओबीसी समुदाय के विभिन्न नेता उपस्थित थे. ओबीसी समुदाय के आरक्षण को बचाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ने के साथ-साथ लोकतांत्रिक तरीकों से भी भूख हड़ताल शुरू की गई. प्रदर्शनकारियों ने बताया कि सभी दलों के ओबीसी राजनीतिक नेताओं, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, प्रोफेसर, शिक्षक, किसान, कर्मचारी, छात्र आदि सहित समाज के सभी वर्गों ने इसका समर्थन किया है. इस आंदोलन में भाग लेने की अपील की गई है.

सत्ताधारी दल का कहना है, ओबीसी के अधिकारों का कोई नुकसान नहीं

मराठा समुदाय को आरक्षण देने के मुद्दे पर दोनों तरफ से सिर्फ़ राजनीति चल रही है. सरकार का यह फ़ैसला ओबीसी समुदाय के अधिकारों का कोई नुकसान नहीं है. सत्ताधारी दल ने साफ़ कर दिया है कि सरकारी फ़ैसले में इस बात का पूरा ध्यान रखा गया है कि एक भी अपात्र व्यक्ति ओबीसी में शामिल न हो. आने वाले दिनों में यह मुद्दा और गरमाने के संकेत हैं.

चंद्रपुर में फिर श्रेयवाद की लड़ाई

भोंगले, अहीर और धोटे में दावे-प्रतिदावे

राष्ट्रबाण

चंद्रपुर. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने राजुरा विधानसभा क्षेत्र के सुदूर जिवती तहसील में 8,649.809 हेक्टेयर वन भूमि को वन भूमि से बाहर करने का ऐतिहासिक फैसला लिया. इस फैसले को लेकर जिले में श्रेयवाद की जंग शुरू हो गई है. सत्तारूढ़ भाजपा विधायक देवराव भोंगले ने सबसे पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि उन्होंने इस पर कैसे अमल किया. पूर्व कांग्रेस विधायक सुभाष धोटे ने दावा किया कि उन्होंने सरकार को यह फैसला लेने के लिए मजबूर किया. पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर ने भी इस बात पर ज़ोर दिया. उन्होंने भी इस फैसले की सराहना करते हुए कहा कि उनकी वजह से ही यह फैसला लिया गया. विधायक भोंगले ने 17 दिसंबर, 2024 के शीतकालीन सत्र में इस संबंध में औचित्य का मुद्दा उठाते हुए वन भूमि पट्टियों के मुद्दे का समाधान करने का अनुरोध किया था. इसके बाद उन्होंने पत्राचार, बैठकों और आकर्षक सुझावों के माध्यम से प्रयास किए. भोंगले ने दावा किया कि इसी के माध्यम से यह निर्णय लिया गया.

दूसरी ओर, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष अहीर ने दावा किया कि उनकी वजह से यह समस्या सुलझ पाई. उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक एडवोकेट संजय धोटे और सुदर्शन निमकर के साथ-साथ केंद्र और राज्य के नेताओं के सहयोग से उन्होंने इस समस्या का समाधान निकाला. इस पर कोरपना तहसील के भाजपा पदाधिकारियों ने भी अहीर का अभिनंदन किया. कांग्रेस जिलाध्यक्ष धोटे ने अपने कार्यकाल में इस मुद्दे को उठाया था. वे अब भी इसके लिए प्रयास कर रहे हैं. इसलिए उन्होंने दावा किया कि उन्होंने इस समस्या का समाधान निकाल लिया है. इसी मुद्दे पर यहाँ तीन नेताओं के बीच श्रेय लेने की होड़ मच गई है.

फास्ट ट्रैक

अमरावती में डॉक्टरों की हड़ताल जारी

अमरावती. अमरावती के सुपर स्पेशलिस्ट अस्पताल में डॉक्टरों की हड़ताल 25 अगस्त से चल रही है. पिछले 20 दिनों से हड़ताल का कोई समाधान नहीं निकला है. इस वजह से 150 से 200 सर्जरी में देरी हो रही है, जिससे यहाँ मरीज़ों को काफ़ी परेशानी हो रही है. सर्जरी नहीं होने के चलते अस्पताल में 150 से ज़्यादा बिस्तर खाली पड़े हैं. सर्जरी करने वाले डॉक्टरों ने बकाया मानदेय और मानदेय में वृद्धि की माँग को लेकर हड़ताल का पर हैं.

ईंट कारखाने में मजदूर की मौत

गोंदिया. एम.आई.डी.सी. देवरी में सुफलाम कंपनी परिसर में सीमेंट ईंट बनाने वाली मशीन में फंसकर एक मजदूर की मौत हो गई. घटना रविवार शाम करीब 5:30 बजे हुई. मृतक मजदूर की पहचान रंजीत सदाराम सोनटक्के (उम्र 38, निवासी पिंडकेपार/गो-टाबोडी, तालुका देवरी) के रूप में हुई है.

छिड़काव करते समय किसान की मौत

आमगांव. अपने खेत में कीटनाशक का छिड़काव करने गए एक किसान की ज़हर के कारण मौत हो गई. यह घटना रविवार शाम आमगांव तालुका के सरकारटोला में हुई. मृतक किसान की पहचान आमगांव तालुका के सरकारटोला निवासी देवलाल सोबिलाल राहंगडाले (49) के रूप में हुई है.

पातालगंगा नदी में बाढ़ से पानी खेतों में

कृषि में बनें छोटे तालाब, सोयाबीन, कपास पानी में डूबे

सैकड़ों एकड़ में खरीफ की फसलों को भारी नुकसान

राष्ट्रबाण

बुलढाणा. बुलढाणा ज़िले के मातृ तीर्थ सिंदखेडराजा तालुका में सोमवार (15 सितंबर) को भारी बारिश हुई. इससे सैकड़ों एकड़ में खरीफ की फसलों को भारी नुकसान हुआ है और पातालगंगा नदी में बाढ़ आ गई है. पातालगंगा नदी दो दिशाओं में बह रही है. नदी के तल का पानी नदी किनारे सैकड़ों हेक्टेयर कृषि भूमि में घुस गया है. इससे खेत छोटी-छोटी झीलों का रूप ले चुके हैं. बताया जा रहा है कि सोयाबीन, कपास और अन्य खरीफ की फसलें, सब्ज़ियाँ और बाग़ जो पूरी तरह खिले हुए थे, पानी में डूब गए हैं. इससे किसानों के हाथों में जो घास थी, वह भी चली गई है. सिंदखेड राजा तालुका के ऐतिहासिक किंगांव राजा कस्बे में बारिश के कारण बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है. भूस्खलन के कारण पातालगंगा नदी में बाढ़ आ गई है और उंब्रज-देशमुख दो गाँवों को जोड़ने वाली सड़क पानी में डूब गई है.

यातायात ठप हो गया है और अगर बारिश इसी तरह जारी रही, तो कई गाँवों का संपर्क टूटने का डर है. सिंदखेड राजा तालुका में सिर्फ़ पानी ही पानी है. सोयाबीन और कपास की फ़सलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई हैं. सिंदखेडराजा तालुका के पलासखेड चक्का इलाके में भी भारी नुकसान हुआ है और बारिश के कारण सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. सिंदखेड राजा तालुका में पहले भी भारी बारिश का असर रहा है. भारी बारिश से हज़ारों हेक्टेयर ज़मीन पर लगी फ़सलों को नुकसान पहुँचा है. इस नुकसान का तुरंत निरीक्षण और सर्वेक्षण कर मुआवज़ा देने की माँग की जा रही है.

हत्या के आरोपी को मिली आजीवन कारावास की सजा

शराब को लेकर हुआ था विवाद

राष्ट्रबाण

अकोला. सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के मोठी उमरी इलाके में रेलवे फाटक के पास शराब की दुकान के सामने एक व्यक्ति की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई. इस मामले में सरकारी और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद जिला एवं सत्र न्यायालय ने आरोपी रंजीत तुकाराम वाघ को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. सिद्धार्थ नगर, मोठी उमरी निवासी 30 वर्षीय आरोपी रंजीत तुकाराम वाघ 2018 में शहर के सिविल लाइंस थाना अंतर्गत रेलवे फाटक के पास एक शराब की दुकान पर शराब पीने गया था. पैसे न होने के कारण आरोपी ने मुफ्त में शराब मांगी. लेकिन शराब की दुकान के मैनेजर, मोठी उमरी निवासी 44 वर्षीय विश्वास किसनराव गुरव और कर्मचारी श्रीकांत सोनकुले ने उसे शराब देने से इनकार कर दिया.

इसके बाद, आरोपी ने दुकान पर आने वाले ग्राहकों से शराब के पैसे मांगे. इससे गुस्साए विश्वास गुरव और सोनकुले ने उसे दुकान से बाहर निकाल दिया. इसी दौरान रंजीत वाघ पास की एक दुकान से चाकू उठाकर दुकान में घुस गया और श्रीकांत सोनकुले के पेट में चाकू घोंप दिया. गंभीर रूप से घायल श्रीकांत की इलाज के दौरान मौत हो गई. इस मामले में सिविल लाइंस थाने में 302 समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया था. इस मामले में कोर्ट ने दोनों पक्षों का पक्ष सुनने के बाद आरोपी रंजीत वाघ को आजीवन कारावास की सजा सुनाई.

पूर्व विधायक पटेल कल कांग्रेस में होंगे शामिल

बेटे रोहित पटेल ने पुष्टि की, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सपकाल रहेंगे मौजूद

राष्ट्रबाण

अमरावती. मेलघाट के पूर्व विधायक राजकुमार पटेल बुधवार, 17 सितंबर को कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं. उनके साथ, मेलघाट के कुछ पदाधिकारी भी इस दौरान पूर्व कांग्रेस विधायक हो जाएंगे. उनके पार्टी में प्रवेश की पुष्टि उनके पुत्र और धारणी कृषि उत्पाद बाज़ार समिति के अध्यक्ष रोहित पटेल ने की. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल उपस्थिति में वह पार्टी में प्रवेश करेंगे. पटेल का कांग्रेस में प्रवेश कांग्रेस भवन में होगा. यह कार्यक्रम दोपहर 2 बजे शुरू होगा. राजकुमार पटेल तीन बार विधायक रह चुके हैं. बहुजन समाज पार्टी से शुरू हुआ उनका राजनीतिक सफर भाजपा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, प्रहार जनशक्ति पार्टी और कांग्रेस में समाप्त होगा. राजकुमार पटेल तीन बार विधायक रह चुके हैं. बहुजन समाज पार्टी से शुरू हुआ उनका राजनीतिक सफर भाजपा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, प्रहार जनशक्ति पार्टी और अब कांग्रेस के साथ चलेगा. 2014 के चुनाव में उन्होंने पूर्व मंत्री बच्चू कडू की प्रहार जनशक्ति पार्टी का प्रतिनिधित्व विधानसभा में किया था. लेकिन पिछले चुनाव में उन्हें भाजपा उम्मीदवार ने हरा दिया था. राजनीतिक जानकारों का कहना है कि ज़िला अध्यक्ष बबलू देशमुख और पूर्व मंत्री एडवोकेट यशोमति ठाकुर ने उन्हें कांग्रेस में शामिल कराने की कोशिश की थी. उनके पार्टी प्रवेश के समय वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहेंगे. इस कार्यक्रम की तैयारी के लिए रविवार को कांग्रेस भवन में प्रमुख पदाधि-कारियों की बैठक हुई. इस अवसर पर सांसद बलवंतराव वानखड़े भी मौजूद थे.

नू-चिकित्सकीय ज्ञान का अभिलेखीकरण, संरक्षण व संवर्धन विषय पर कार्यशाला का आयोजन

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में होगा आयोजन

राष्ट्रबाण

वर्धा. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से हिंदी विश्वविद्यालय के मानवविज्ञान विभाग द्वारा 'विदर्भ क्षेत्र की जनजातियों (विशेष रूप से संवे-दनशील जनजातीय समूहों) के नृ-चिकित्सकीय ज्ञान का अभिलेखीकरण, संरक्षण और संवर्धन' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन महादेवी वर्मा सभागार में 17-18 सितंबर को किया जा रहा है. कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार, 17 सितंबर को प्रातः 10:00 बजे किया जाएगा. प्रथम अकादमिक सत्र 11:45 बजे 'संरक्षण तथा संवर्धन हेतु नीतिगत संस्तुतियाँ एवं सहकार्यता निर्माण' विषय पर तथा द्वितीय सत्र अपराह्न 03:00 बजे 'नृ-चिकित्सकीय ज्ञान (नृ-चिकित्सा, नृ-पादप रोगविज्ञान और नृ-पशु-चिकित्सा पद्धती) का अभिलेखी-करण विषय पर होगा. कार्यशाला के समन्वयक मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अधिष्ठाता एवं मानवविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. फरहद मलिक होंगे. संयोजक मानव-विज्ञान विभाग के डॉ. निशीथ राय, डॉ. वीरेंद्र प्रताप यादव होंगे तथा सह-संयोजक डॉ. मनोज कुमार राय, डॉ. दत्तात्रय सरवदे एवं डॉ. श्रीकांत जायसवाल होंगे.

18 सितंबर को तृतीय सत्र 10:30 बजे 'नृ-चिकित्सकीय ज्ञान के अभ्यास का सत्यापन एवं मुख्यधारा प्रणालियों के साथ एकीकरण पर तथा चतुर्थ सत्र अपराह्न 03:00 बजे 'सतत वाणिज्यिक अवसरों से जुड़ाव और समुदाय संचालित व्यावसायीकरण' विषय पर होगा. सायं 4:45 बजे संपूर्ति सत्र का आयोजन किया जाएगा.

भक्ति | विधायक सुधीर मुनगंटीवार भजन गायन में तल्लीन

'केशवा माधवा, तुझ्या नामात रे गोडवा'

सोशल मीडिया पर चर्चा

राष्ट्रबाण

चंद्रपुर. पूर्व मंत्री विधायक सुधीर मुन-गंटीवार भजन मंडली के साथ 'केशव माधव, आपके नाम, गोडवा' भजन गाने में मग्न थे. मौका था चंद्रपुर तालुका की भजन मंडलियों को भजन साहित्य वितरित करने का. यह कार्यक्रम तुकुम स्थित अयप्पा मंदिर सभागार में आयोजित किया गया था. इस दौरान विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने स्वयं भजन गाकर सभी का ध्यान आकर्षित किया. सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि भजन केवल भक्ति गीत नहीं हैं, बल्कि समाज की एकता, आस्था, एकता और आध्यात्मिकता का जागरण करने का एक प्रेरक माध्यम हैं. विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादे को पूरा करते हुए उन्होंने चंद्रपुर ग्रामीण क्षेत्र की 30 भजन मंडलियों को साहित्य वितरित किया. कार्यक्रम की शुरुआत स्वयं मुनगंटीवार ने 'केशव माधव... तिष्ण नामात रे गोडवा' भजन गाकर की. आयोजकों के आग्रह पर उन्होंने भजन प्रस्तुत किया. जिला अध्यक्ष हरीश शर्मा, भाजपा नेता रामपाल सिंह, श्रीनिवास जंगमवार, नामदेव असुतकर, मनोज मानकर, शांताराम चौखे, फारूक शेख, गौतम निमगड़े, चंद्रकांत ढोडेरे, देवानंद थोरात, रुद्रनारायण तिवारी, नागेश कडुकर, अनिताताई भोयर, रोशनी खान, केमा रायपुरे, वनिता असुतकर, गीता वैद्य, गीता सिंह, अरविंद बोरकर, अमोल जगताप, अतुल पिल्लरवार, मुक्ता येरगुडे, सुरेखा थोरात, मोनी आसवानी, रंजना किन्नाके, दयानंद बंकुवाले, शंकर खत्री, घनश्याम यादव आदि उपस्थित थे. इसके अलावा, छत्रपति शिवाजी महाराज के बाघ के पंजे लंदन से भारत लाने, नागपुर विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज के नाम पर और अमरावती विश्व-विद्यालय का नाम वैराग्यमूर्ति संत गाडगे बाबा के नाम पर रखने का सौभाग्य भी उनके साथ है.

विधायक मुनगंटीवार ने कहा, 'भजन वातावरण को धार्मिक और आध्यात्मिक भावनाओं से भर देते हैं. भजनों में आध्यात्मिकता की धार होती है और ये हर संकट से उबरने की प्रेरक ऊर्जा होते हैं. भजनों में समाज में विश्वास, एकता और आध्यात्मिकता जगाने की शक्ति होती है. मैं इसी भक्ति भावना को विकसित करने के लिए भजन मंडलों को आवश्यक सामग्री समर्पित कर रहा हूँ.' उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि भजन मंडलों को प्राप्त सामग्री भक्ति सेवा को नई ऊर्जा और प्रेरणा देगी. विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने आगे कहा, निर्वाचन क्षेत्र में कई विकास कार्य हुए हैं और होते रहेंगे. छत्रपति शिवाजी महाराज की एक भव्य प्रतिमा स्थापित की गई. साथ ही, हॉल के लिए भजन मंडलों के लिए 15 करोड़ रुपये की निधि को मंजूरी दी गई. मुझे गर्व है कि मुझे अयोध्या में राम मंदिर के लिए लकड़ी भेजने का सौभाग्य मिला.' संसद भवन के दरवाजे और प्रधानमंत्री कार्यालय की कुर्सी हमारे निर्वाचन क्षेत्र के बल्लारपुर की लकड़ी से बनी है, जो गर्व की बात है. उन्होंने यह भी कहा कि भीमाशंकर स्थित मंदिर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सीधे जाने की व्यवस्था, महादेव वन क्षेत्र में सुविधाएँ निर्मित करना, कोराडी में 200 करोड़ रुपये की लागत से श्री जगदम्बा मंदिर का भव्य निर्माण और पंढरपुर में तुलसी वृंदावन की स्थापना करना उनके लिए सौभाग्य की बात है.

वणी के न्यू ज्योति बार में महिलाओं का हंगामा

मालिक व मैनेजर पर हमला

राष्ट्रबाण

यवतमाल. यवतमाल जिले के वणी में न्यू ज्योति बार एंड रेस्टोरेंट में शनिवार को महिलाओं ने जमकर उत्पात मचाया. लाठी-डंडों से लैस महिलाओं ने बार मालिक और मैनेजर पर हमला कर दिया. इस दौरान मालिक की आँखों में मिर्च पाउडर फेंक दिया गया, जिससे कुछ समय के लिए उनकी नज़रों पर भी असर पड़ा. घटना के बाद से पूरे शहर में हड़कंप मच गया है. दरअसल, 12 सितंबर की शाम शेखर अशोक दुर्गमवार नामक युवक अपने मित्र के साथ बार में शराब पीने आया था. शराब पीने के बाद उसने बिल चुकाने से मना कर दिया. जब स्टाफ ने रोकने की कोशिश की तो उसने रिश्तेदारों को बुलाकर रकम चुकाई. मगर जाते-जाते बार मालिक को धमकी दी कि कल तुम्हें सबक मिलेगा. अगले ही दिन यानी 13 सितंबर की दोपहर अचानक 7 से 8 महिलाएं हाथों में डंडे और प्लास्टिक पाइप लेकर बार में घुस आईं. उन्होंने बार मालिक मनोज उरकुडे को गालियाँ दीं और उनकी आँखों में मिर्च पाउडर फेंक दिया. इससे उनकी आँखों में तेज़ जलन हुई और कुछ देर के लिए वे देख भी नहीं पाए. इसी बीच महिलाओं ने मालिक और मैनेजर आशिष भास्कर खाडे पर हमला बोल दिया. हमले में बार मालिक को सिर, गर्दन और हाथ पर चोटें आईं, जबकि मैनेजर भी घायल हो गया. हद तो तब हो गई जब गुस्साई महिलाओं ने धमकी दी कि वे खुद थाने जाकर मालिक पर छेड़छाड़ का झूठा केस दर्ज कराएँगी. इस घटना की शिकायत वणी पुलिस थाने में दर्ज की गई है. पुलिस ने राजूर कॉलरी की 3 महिलाएं, वरोरा की 1 और 4 अज्ञात व्यक्तियों समेत कुल 8 लोगों पर विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है. फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जाँच कर रही है.

तापमान. नागपुर, अधिकतम 31.2°C न्यूनतम 25.4°C

नागपुर, मंगलवार, 16 सितंबर 2025

राष्ट्रबाण नागपुर VISION

।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार ने कहा

मुंबई के बाद दूसरी चित्रनगरी रामटेक में

राष्ट्रबाण

नागपुर. सांस्कृतिक कार्य मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने सोमवार को यहाँ बताया कि विदर्भ में रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए रामटेक में स्थापित होने वाली फ़िल्म सिटी के लिए अगले 15 दिनों में 60 एकड़ ज़मीन हस्तांतरित करने और फ़िल्म सिटी के निर्माण के लिए एक परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है. उन्होंने यह भी बताया कि रामटेक क्षेत्र में संरक्षित स्मारकों के संबंध में भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं. शेलार ने सोमवार को रामटेक से सटे नवरगाँव में प्रस्तावित फ़िल्म सिटी के स्थल का निरीक्षण किया और फिर रामटेक स्थित सरकारी विश्राम गृह में संबंधित अधिकारियों के साथ एक बैठक की. बैठक के बाद उन्होंने यह जानकारी दी. इस अवसर पर वित्त एवं योजना राज्य मंत्री एडवोकेट आशीष जायसवाल उपस्थित थे. एडवोकेट शेलार ने कहा कि विदर्भ में फ़िल्म निर्माण के माध्यम से स्थानीय कलाकारों को एक उपयुक्त मंच प्रदान करने और रोज़गार के अवसर पैदा करने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व और मार्गदर्शन में रामटेक में एक फ़िल्म सिटी स्थापित की जा रही है. इस कार्य को गति देने के लिए आज दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिसके तहत चित्रनगरी के लिए राजस्व विभाग के स्वामित्व वाली 60 एकड़ ज़मीन हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया.

> उन्होंने बताया कि इस संबंध में राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव से चर्चा हुई है. उन्होंने कहा कि भूमि हस्तांतरण के संबंध में नागपुर के जिला कलेक्टर को आवेदन दिया जाएगा और यह कार्रवाई निर्धारित समय में पूरी कर ली जाएगी. उन्होंने यह भी बताया कि रामटेक चित्रनगरी की स्थापना के लिए परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त करने का भी आज निर्णय लिया गया और इस संबंध में जल्द ही कार्रवाई की जाएगी.

OCW कर्मचारी पर बदमाशों का हमला

अवैध कनेक्शन बहाल करवाया

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर के बार क्षेत्र में एक गंभीर घटना सामने आई है, जहां Orange City Water (OCW) के एक कर्मचारी को अपराधियों ने बंधक बना लिया. आरोप है कि यह गिरोह स्थानीय लोगों के साथ मिलीभगत करके अवैध जल कनेक्शन स्थापित कर रहा था. घटना के अनुसार, OCW का स्टाफ अवैध कनेक्शन की जांच करने आया था. तभी इलाके के कुछ बदमाशों ने उन्हें पकड़ लिया और अवैध कनेक्शन बहाल करने के लिए दबाव बनाया. कर्मचारी को कई घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया. डर के मारे उन्होंने अवैध कनेक्शन को बहाल करने के आदेश मानने पर मजबूर होना पड़ा. इस मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की. फिलहाल, मामले में FIR दर्ज कर गहन जांच जारी है. अधिकारी इस गिरोह के अन्य सदस्य को भी पकड़ने के प्रयास में हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि यह घटना प्रशासन की नाकामी को उजागर करती है. जनता में भारी रोष है कि कैसे सार्वजनिक सुविधा की बजाय अवैध तरीके से वसूली की जा रही है. OCW प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और सभी जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी.

–शांतनु अग्रवाल

प्रतिदिन 5 से 10 लाख रुपये का घोटाला हो रहा?

शहर में फर्जी DTDC पार्सल का धड़ल्ले से कारोबार

अनऑर्डर्ड COD पार्सल से जनता में खौफ और गुस्सा

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर में फर्जी DTDC पार्सल सेवा का धड़ल्ले से कारोबार चल रहा है. प्रतिदिन हजारों नकली पार्सल लोगों के घर पहुंचाए जा रहे हैं, जिनमें COD (Cash on Delivery) का झांसा देकर 5 से 10 लाख रुपये प्रतिदिन की कमाई का अनुमान लगाया जा रहा है. स्थानीय नागरिकों ने शिकायत की है कि बिना मंगवाए, अनजान पार्सल उनके घर पहुंच रहे हैं. इसके साथ ही पार्सल में क्या सामग्री हो सकती है, यह पूरी तरह से अज्ञात है. लोगों का कहना है कि यह उनकी निजता पर हमला है और वे असहज महसूस कर रहे हैं. विशेषज्ञों ने इस बात पर चिंता जताई है कि फर्जी पार्सल में कभी भी खतरनाक वस्तुएं जैसे बम, नशीली चीजें या अवैध दस्तावेज हो सकते हैं.

> नागरिक सुरक्षा के लिहाज से यह मामला बेहद गंभीर है. स्थानीय प्रशासन और DTDC कंपनी पर भी सवाल उठ रहे हैं कि उन्होंने इस ओर उचित कार्रवाई क्यों नहीं की. पुलिस ने इस संबंध में जांच शुरू कर दी है, लेकिन फिलहाल लोगों की सुरक्षा और निजता पर कोई ठोस कदम दिखाई नहीं दे रहा. नगरवासियों ने सार्वजनिक प्रदर्शन कर इस फर्जी नेटवर्क को तत्काल बंद करने और जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. विशेषज्ञ भी प्रशासन को चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते रोक नहीं लगाया गया तो यह घोटाला और बड़े खतरे को जन्म देगा.

–शांतनु अग्रवाल

फास्ट ट्रैक

पुलिस वाला बताकर छीने 28 हजार रुपये

नागपुर. नागपुर में एक बड़ी ठगी का मामला सामने आया है, जहां एक शख्स ने पुलिसकर्मी का भेष धरकर एक व्यक्ति के 28 हजार रुपए छीन लिए. लेकिन, पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने आरोपी को एक घंटे के भीतर ही पकड़ लिया. पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आरोपी पहले फुटपाथ पर कपड़े बेचता था और उस पर पहले भी धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं. जानकारी के अनुसार यह घटना शनिवार दोपहर लालगंज इलाके की है.

बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का उद्देश्य

नागपुर. शहर में Youth for Seva संगठन ने रविवार को Beggar Free Campaign का आयोजन किया. इस अभियान का उद्देश्य फुटपाथ पर रहने वाले बच्चों को भीख के बजाय शिक्षा से जोड़ना है और इसके माध्यम से बाल शिक्षा, भीख मुक्त समाज, उज्ज्वल भविष्य तथा सामाजिक परिवर्तन का संदेश देना है. शहर के सीताबर्डी चौक पर रविवार को Youth for Sewa संगठन द्वारा Beggar Free Campaign का आयोजन किया गया. दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक चले इस अभियान का मुख्य उद्देश्य फुटपाथ पर रहने वाले बच्चों को भीख के बजाय शिक्षा से जोड़ना था.

भारी बारिश के बाद फिर लगा ट्रैफिक जाम

मेट्रो के नीचे जमा हुआ पानी

राष्ट्रबाण

नागपुर. थोड़ी सी भी बारिश होने पर नागपुर में मेट्रो के नीचे पानी जमा हो जाता है और गाड़ियाँ फँस जाती हैं. सोमवार दोपहर नागपुर में भारी बारिश हुई. करीब एक घंटे तक हुई बारिश के कारण सड़कें जलमग्न हो गईं. इसके अलावा, बर्डी, धंतोली, नरेंद्रनगर और मनीषनगर इलाकों में मेट्रो पूरी तरह पानी से भर गई. इससे यहाँ यातायात बाधित रहा. व्यस्त समय में वहाँ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं.

सोमवार सुबह से ही नागपुर में आसमान बादलों से घिरा हुआ था, इसलिए बारिश की उम्मीद थी. दोपहर करीब 2 बजे तेज बारिश शुरू हुई. पूरे शहर में बारिश हुई. एक घंटे तक हुई लगातार बारिश के कारण नागपुर जलमग्न हो गया. सड़कों पर पानी जमा हो गया. खोलघाट इलाके के चौक-चौराहे पानी से भर गए. दोपहर का समय होने और बारिश तेज़ होने के कारण, लोग जहाँ भी आराम करने की जगह मिली, वहीं खड़े हो गए. अंडरपास में जमा पानी निकालने का कोई उपाय नहीं है, इसलिए हर बार बारिश होने पर नागपुर में यातायात जाम की तस्वीर देखने को मिलती है. सोमवार को यह फिर देखने को मिला. बर्डी मेट्रो स्टेशन से भी पानी टपक रहा था.

> बारिश थमने के बाद, सभी लोग एक साथ अपने-अपने रास्ते पर लौटने लगे. इससे सड़क पर यातायात बढ़ गया. धंतोली स्थित रेलवे अंडरब्रिज के नीचे भारी मात्रा में पानी जमा हो गया था. चूँकि वहाँ से वाहन निकालना खतरनाक था, इसलिए पुल के दोनों ओर वाहन फँस गए. इससे वहाँ यातायात जाम हो गया. इसका परिणाम अन्य सड़कों पर भी हुआ. यही स्थिति नरेंद्रनगर रेलवे अंडरब्रिज की भी थी. बर्डी पर मेट्रो द्वारा बनाए गए पुल के नीचे. लोहे के पुल के नीचे मनीषनगर में मेट्रो अंडरपास में पानी जमा हो गया था. इसलिए वहाँ से वाहन निकालना असंभव था.

लगातार दुर्घटनाएं, प्रशासन की लापरवाही पर सवाल

मानकापुर फ्लाईओवर पर 48 घंटे में 3 मौत

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर के मनकापुर फ्लाईओवर पर हाल ही में लगातार दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी है. बीते 48 घंटे के भीतर यहां तीसरी मौत हुई है, जिससे लोगों में गहरा आक्रोश और प्रशासन पर असंतोष फैल गया है. जानकारी के मुताबिक, मनकापुर फ्लाईओवर पर सड़क का खराब निर्माण और सुरक्षा प्रबंधों की कमी प्रमुख कारण बने हैं. दुर्घटना में मृतकों की संख्या बढ़ने के बाद स्थानीय नागरिक और राहगीर प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग कर रहे हैं.स्थानीय लोगों ने बताया कि फ्लाईओवर पर रात के समय पर्याप्त लाइटिंग नहीं है, और सड़क पर सुरक्षा गार्ड की कमी है. इसके चलते वाहन चालक व पैदल यात्री अंधेरे में दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं. वहीं, प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने से सवाल खड़े हो रहे हैं. प्रशासनिक अधिकारियों ने केवल जांच शुरू करने की बात कही है, लेकिन सड़क की मरम्मत और सुरक्षा प्रबंधों पर कोई त्वरित कार्रवाई नहीं दिख रही. विशेषज्ञों का कहना है कि मनकापुर फ्लाईओवर पर स्थिति गंभीर हो चुकी है और इसे तुरंत बंद कर के मरम्मत कार्य शुरू किया जाना चाहिए, ताकि और जानें न जाएं. नागरिक समाज ने भी प्रदर्शन कर प्रशासन से तत्काल सुधार की मांग की है. इस बीच, पुलिस द्वारा संज्ञान लेते हुए दुर्घटनाओं की जांच शुरू कर दी गई है. लेकिन नागपुरवासियों की उम्मीदें अब सुरक्षित सड़क व संरक्षित फ्लाईओवर की ओर ही टिक गई हैं.

–शांतनु अग्रवाल

रवि कमर्शियल अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लि. नागपुर की 26वीं वार्षिक आम सभा संपन्न

राष्ट्रबाण

नागपुर. रवि कमर्शियल अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड नागपुर की 26वीं वार्षिक आम बैठक श्री संत रविदास सांस्कृतिक हॉल हनुमान नगर नागपुर में रविवार, 14/09/2025 को बैंक के माननीय अध्यक्ष महेंद्र दौलतराव भागवतकर की अध्यक्षता में आयोजित की गई. बैठक की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई. लक्ष्मी की छवि को बैंक के माननीय अध्यक्ष महेंद्र भागवतकर ने माल्यार्पण किया और श्री संत रविदास महाराज की छवि को बैंक के माननीय निदेशक रामकृष्णजी इंगले ने माल्यार्पण किया. डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की छवि को बैंक के माननीय निदेशक अशोक कालकर और सभी निदेशकों ने माल्यार्पण किया. बैंक के माननीय अध्यक्ष महेंद्र भागवतकर ने वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि बैंक द्वारा अर्जित सकल लाभ 53.64 लाख रुपये, शुद्ध एनपीए 3.81 प्रतिशत और सीआरएआर था. सभी सदस्यों ने बैंक की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया. वरिष्ठ नागरिकों और मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया. पिछली बैठक का विवरण बैंक के उप-मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री चंद्रकांत भगत ने पढ़ा. बैठक की अध्यक्षता और धन्यवाद ज्ञापन माननीय श्री सुरेशजी सातपुते ने किया. बैठक में बैंक के माननीय उपाध्यक्ष रामकृष्णजी इंगले, माननीय निदेशक वासुदेवरावजी इंगले, विलासराव हरडे, बबनरावजी गुलाबे, डॉ. संदीपजी इंगले, अनिलजी कटोले, अशोकजी कालकर, मृणालिनी चव्हाण और बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरसिंहजी यादव, क्रेडिट मैनेजर प्रशांत ठाकरे, साथ ही अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे.

वेकोलि में "स्वच्छता ही सेवा 2025" का शुभारंभ

विकास एवं सुशासन की दिशा में सक्रिय योगदान देने का आह्वान

राष्ट्रबाण

नागपुर. वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (WCL) ने आज अपने मुख्यालय, नागपुर में दो राष्ट्रीय पहलों - "स्वच्छता ही सेवा (SHS) 2025" एवं "विशेष अभियान 5.0" का उत्साहपूर्वक शुभारंभ किया. इस अवसर पर अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री अजय मेहत्रे के स्वागत के साथ हुआ. उन्होंने सभी को स्वच्छता शपथ दिलाई तथा डब्ल्यू.सी.एल की स्वच्छता, पारदर्शिता एवं सेवा भाव के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया. उन्होंने अपने संबोधन में सभी हितधारकों से सतत विकास एवं सुशासन की दिशा में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया.

> इन अभियानों का उद्देश्य व्यवहारिक परिवर्तन तथा प्रणाली में सुधारों को एक साथ जोड़ते हुए स्वच्छता, दक्षता एवं जवाबदेही को दैनिक कार्यसंस्कृति का अंग बनाना होगा. इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री अजय मेहत्रे ने कहा कि ये अभियान डब्ल्यू.सी.एल की स्वच्छ भारत एवं सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करते हैं. उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वच्छता एवं जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन एक बार का प्रयास न होकर निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है. इन पहलों के माध्यम से डब्ल्यू.सी.एल ने एक बार फिर यह दर्शाया है कि वह एक स्वच्छ, हरित एवं दक्ष भविष्य के निर्माण में सार्थक योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है.

कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भरते हुए टीम 'मिरकि' ने 'ई-वेस्ट प्रबंधन, रीसाइक्लिंग एवं सामुदायिक उत्तरदायित्वएक' के विषय पर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया. इस प्रस्तुति ने इलेक्ट्रॉनिक कचरा अलग करने तथा उसके समुचित निपटान की आवश्यकता का संदेश दिया. नुक्कड़ नाटक को उपस्थित जनसमूह ने भरपूर सराहा. कर्मचारियों की सहभागिता बढ़ाने हेतु डब्ल्यू.सी.एल मुख्यालय परिसर में एक आकर्षक स्वच्छता सेल्फी प्वाइंट का भी शुभारंभ किया गया.

संकल्पना इंडियन पीपल्स फोरम (महाराष्ट्र काउंसिल) की पहल पर शुरू

संयुक्त अरब अमीरात में महाराष्ट्र संगठनों का विकास पर मंथन

राष्ट्रबाण

नागपुर. "संयुक्त महाराष्ट्र" की परिकल्पना आईपीएफ महाराष्ट्र काउंसिल के प्रमुख, वरिष्ठ उद्योजक और सामाजिक मार्गदर्शक राहुल तुळपुळे की है. इस संस्था की स्थापना यूएई में कार्यरत विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यावसायिक मराठी संगठनों को एक साझा मंच पर लाकर यहां के मराठी समाज को सशक्त बनाने के उद्देश्य से की गई है. वर्तमान में पूरे संयुक्त अरब अमीरात में सक्रिय 35 अलग-अलग संस्थाएं और समूह इस पहल का हिस्सा हैं, जिनमें गल्फ महाराष्ट्र बिज़नेस फोरम, महाराष्ट्र मंडल अबू धाबी और महाराष्ट्र मंडल दुबई जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं भी शामिल हैं.

रविंद्र चव्हाण के हाथों इस संकल्पना का उद्घाटन वर्ष की शुरुआत में दुबई में हुआ था. इस पहल के तहत कार्यरत संस्थाएं आज दुबई में रहने वाले लगभग 4 लाख प्रवासी मराठियों के लिए कई क्षेत्रों में काम कर रही हैं, जैसे कि घरेलू कामगारों के लिए सहायता व्यवस्था, महिला गृहिणियों का सशक्तिकरण, मराठी लोगों को व्यवसाय शुरू करने में मदद, बच्चों के लिए साप्ताहिक विद्यालय चलाना, पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देना, महाराष्ट्र की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर का संरक्षण करना, क्षेत्रीय पर्व-त्योहार मनाना और कई अन्य सामाजिक कार्य करना. बैठक में जिन प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई, उनमें प्रवासी बच्चों के लिए मराठी भाषा का एकीकृत वैश्विक पाठ्यक्रम विकसित करना शामिल है, जिससे यह बच्चों को महाविद्यालयीन क्रेडिट हेतु मान्य हो सके. साथ ही, स्थानीय स्तर पर विभिन्न सामुदायिक उपक्रमों के आयोजन के लिए एक समर्पित स्थल की आवश्यकता पर भी बल दिया गया. दिसंबर 2025 में नासिक में होने वाले मराठी विश्व सम्मेलन में यूएई से एक सक्षम और प्रतिनिधिक मंडल भेजने पर भी चर्चा की गई. महाराष्ट्र शासन द्वारा घोषित अक्टूबर माह में "अभिजात भाषा सप्ताह" मनाने की योजनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ.

> इसके अतिरिक्त, महाराष्ट्र के किसानों को सहयोग देने हेतु बाजार की संभावनाओं, नियमों, अनुपालन और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं की जानकारी उपलब्ध कराने वाली एक मार्गदर्शक पुस्तिका तैयार करने का निर्णय लिया गया. इसके लिए यूएई के फल और सब्जी व्यापार से जुड़े अनुभवी उद्यमियों की एक "कमोडिटी ट्रेडिंग टास्क फोर्स" गठित करने पर सहमति बनी, ताकि महाराष्ट्र के किसान अपने उत्पादों का निर्यात यूएई में सुगमता से कर सकें.

> श्रीमती नीलम नांदेकर के नेतृत्व में "संयुक्त महाराष्ट्र" पहल के अंतर्गत सभी 35 संस्थाओं को समाहित करने वाला मासिक कार्यक्रम कैलेंडर भी प्रकाशित किया जाता है, जिसकी बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों ने सराहना की. "एक-दूसरे की सहायता करें, सब मिलकर सही मार्ग पर चलें" इस सहयोग की भावना से सभी संगठन व्यापक समुदाय तक पहुंच बना रहे हैं और उनके उपक्रम पूरे मराठी समाज के लिए और भी अधिक सार्थक व सुलभ बन रहे हैं.

सरावगी को महावीर युवा गौरव पुरस्कार

संतोष जैन पेंढारी, अनिल जैन वीएसआर, अतुल कोटेचा, अरविंद हनवंते भी होंगे पुरस्कृत

राष्ट्रबाण

नागपुर. महावीर यूथ क्लब द्वारा क्षमावाणी पर्व पर महावीर युवा गौरव पुरस्कार 2025 का आयोजन किया गया हैं. क्षमावाणी व आशीर्वचन समारोह का आयोजन रविवार 21 सितंबर 2025 को दोपहर 1:30 बजे से रजवाड़ा पैलेस गांधीसागर महल में किया गया हैं. आचार्यश्री श्रीमद विजय महासेन सूरीजी म.सा., पट्टाचार्यश्री विशुद्धसागरजी गुरुदेव के शिष्य मुनिश्री प्रशमसागरजी गुरुदेव, मुनिश्री सुप्रभ-सागरजी गुरुदेव, मुनिश्री विराटसागरजी गुरुदेव, मुनिश्री निसंगसागरजी गुरुदेव, मुनिश्री प्रणतसागरजी गुरुदेव, क्षुल्लकश्री विप्रज्ञसागरजी ससंघ के सानिध्य में आयोजन किया गया हैं. महावीर यूथ क्लब के अध्यक्ष नितिन नखाते ने बताया इस वर्ष का महावीर युवा गौरव पुरस्कार 2025 प्रतीक राजेश सरावगी, राष्ट्रस्तरीय सेवा सम्मान पुरस्कार श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय महामंत्री संतोष सुंदरलाल जैन पेंढारी, राज्यस्तरीय पुरस्कार अनिल जैन वीएसआर, जिलास्तरीय पुरस्कार उन्नति फाउंडेशन के अध्यक्ष अतुल पूनमचंद कोटेचा, दिगंबर जैन समाज नागपुर पश्चिम विभाग के उपाध्यक्ष अरविंद बाबाराव हनवंते का चयन किया गया हैं. समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी सुभाष कुकेकर करेंगे. मुख्य अतिथि अमरस्वरूप परिवार के प्रमुख मनीष मेहता हैं. विशेष अतिथि विधायक प्रवीण दटके, विधायक कृष्णा खोपड़े विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे. अतिथि नितिन महाजन, श्री सैतवाल जैन संगठन मंडल के अध्यक्ष चंद्रकांत वेखंडे, श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन खंडेलवाल मंदिर के अध्यक्ष राकेश पाटनी, पुलक मंच परिवार महावीर वार्ड नागपुर के अध्यक्ष जगदीश गिल्लरकर, सुरेश अवथनकर, रजवाड़ा पैलेस के संचालक ललित वोरा उपस्थित रहेंगे. समारोह के सफलता के लिए मंगेश बिबे, जगदीश गिल्लरकर, मनुकांत गडेकर, प्रशांत मानेकर,बाहुबली पलसापुरे, श्रीकांत तुपकर, प्रशांत भुसारी, अविनाश शहाकार, मनोज गिल्लरकर, सिद्धांत नखाते, प्रदीप तुपकर, जितेंद्र सवाने, प्रणय राखे, दिनेश सावलकर, जितेंद्र गडेकर, विशाल मानेकर, गौरव शहाकार, नितिन सावलकर, मनीष पिंजरकर, सरिता सावलकर प्रयासरत हैं.

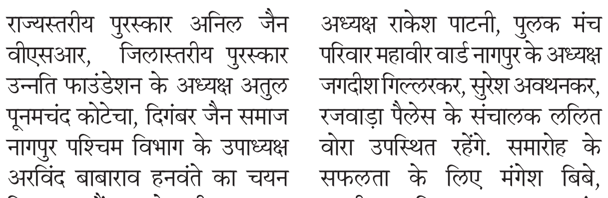

हैंडशेक विवाद पर पीसीबी में बड़ा एक्शन

विवाद के बाद अधिकारी की छुट्टी

नई दिल्ली. एशिया कप 2025 के ग्रुप स्टेज में भारत के हाथों सात विकेट से मिली करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में हड़कंप मच गया है. हार के साथ-साथ पाकिस्तान के खिलाड़ियों को बीच मैदान बेइज्जती का सामना भी करना पड़ा. दरअसल, टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने इस मैच के बाद पाकिस्तान के किसी भी खिलाड़ी से हाथ नहीं मिलाया. इस घटना के बाद पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने एक बड़ा फैसला लिया है और अपने ही डायरेक्टर को सस्पेंड कर दिया है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट के डायरेक्टर उस्मान वहला को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है. यह कार्रवाई मैच के बाद हुई हाथ न मिलाने की विवादास्पद घटना को संभालने में कथित चूक के कारण की गई है, जिसने पाकिस्तानी टीम को खेल भावना के मामले में कमजोर स्थिति में डाल दिया. उस्मान वहला पिछले दो सालों से इस महत्वपूर्ण पद पर तैनात हैं और पाकिस्तान सुपर लीग के भी चेयरमैन हैं. उन पर आरोप है कि उन्होंने इस संवेदनशील मुद्दे को समय पर सुलझाने में असफलता दिखाई. पीसीबी की आंतरिक समीक्षा में पाया गया कि वहला ने मैच पहले की तैयारियों में पाकिस्तान के हितों की रक्षा करने में लापरवाही बरती. उनका मानना था कि उन्हें मैच शुरू होने से पहले ही इस मुद्दे को उठाना और सुलझा लेना चाहिए था. बता दें, मैच के बाद दोनों टीमें बिना किसी औपचारिक समापन के मैदान छोड़ गईं थीं. पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा ने इस घटना के विरोध में पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में हिस्सा नहीं लिया था, जबकि हेड कोच माइक हेसन ने भारतीय पक्ष के रवैये पर गहरी नाराजगी जताई थी.

मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट पर भी पाकिस्तान ने गंभीर आरोप लगाए हैं. पीसीबी का दावा है कि टॉस के समय दोनों कप्तानों को हाथ न मिलाने की सूचना दी गई थी, जो आईसीसी की आचार संहिता का साफ उल्लंघन है. इस कारण पीसीबी ने पायक्रॉफ्ट को एशिया कप 2025 से हटाने की मांग की है. मोहसिन नकवी, जो एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के प्रमुख भी हैं, उन्होंने इस मामले में आईसीसी से तत्काल कार्रवाई की अपील की है.

जिम्बाब्वे ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में नामीबिया को 34 रनों से हराया

बुलावायो. ब्रायन बेनेट (94) और तदिवानाशे मारुमनी (62) की आतिशी बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जिम्बाब्वे ने सोमवार को पहले टी-20 मुकाबले में नामीबिया को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 34 रनों से हरा दिया। इसी के साथ जिम्बाब्वे ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।212 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में मालन क्रूगर (13) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद जान फ्राइलिन्क, जान निकोल लॉफ्टी-ईटन की जोड़ी ने दूसरे विकेट लिये 56 रन जोड़े। आठवें ओवर में सिकंदर रजा ने जान फ्राइलिन्क (21) को पगबाधा आउट कर जिम्बाब्वे को दूसरी सफलता दिलाई। जान निकोल लॉफ्टी-ईटन ने 24 गेंदों में 38 रनों की पारी खेली। कप्तान गेरहार्ड इरास्मस 19 गेंदों में 26 रन बनाकर आउट हुये। जेन ग्रीन 27 गेंदों में (33), रूबेन ट्रम्पेलमैन नौ गेंदों में (20) तथा जेजे स्मिट दो रन बनाकर आउट हुये। जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण के आगे नामीबिया की टीम निर्धारित 20 ओवरों सात विकेट पर178 रन ही बना सकी और मुकाबला 34 रनों से हार गई।

पाटीदार ने दलीप ट्रॉफी जीती

सेंट्रल जोन ने साउथ जोन को हराया

नई दिल्ली. दलीप ट्रॉफी के फाइनल में सेंट्रल जोन ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए साउथ जोन को 6 विकेट से हरा दिया. इसके साथ ही उसने दलीप ट्रॉफी अपने नाम कर ली. दलीप ट्रॉफी को जीत के लिए महज 65 रन चाहिए थे, जिसे उसने 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया. दलीप ट्रॉफी की जीत के हीरो यश राठौड़ रहे, जिन्होंने 194 रनों की धुआंधार पारी खेली. रजत पाटीदार ने एक बार फिर अपनी कप्तानी का दम दिखाया है. इनकी ही कप्तानी में आरसीबी ने आईपीएल जीता और अब उन्होंने दलीप ट्रॉफी में टीम को चैंपियन बनाया है.

बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड में खेले गए फाइनल मैच में साउथ जोन की टीम पहली पारी में सिर्फ 149 रनों पर ढेर हो गई थी. स्पिनर सारांश जैन ने 5 और कुमार कार्तिकेय ने 4 विकेट लेकर सेंट्रल जोन की जीत पहले दिन ही तय कर दी थी. इसके बाद इस जीत पर मुहर लगाई सेंट्रल जोन के बल्लेबाजों ने, जिन्होंने अपनी टीम को पहली पारी में 511 रनों तक पहुंचाया. कप्तान रजत पाटीदार ने शानदार 101 रन बनाए. यश राठौड़ ने 194 रनों की पारी खेली. सारांश जैन ने बल्ले से भी जलवा दिखाते हुए 69 रन बनाए. ओपनर दानिश मालेवार ने भी 53 रनों की पारी खेली. दूसरी पारी में साउथ जोन ने 426 रन बनाकर मैच में वापसी की. अंकित शर्मा ने 99, आंद्रे सिद्धार्थ ने 84 रन ठोके लेकिन अंत में सेंट्रल जोन की टीम आसानी से मैच जीत गई.

यश राठौड़, सारांश जैन बने हीरो : पहली बारी में दोहरा शतक चूकने वाले यश राठौड़ को ही प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. वहीं सेंट्रल जोन के ऑलराउंडर सारांश जैन को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया. सारांश जैन ने इस टूर्नामेंट 136 रन बनाने के अलावा 16 विकेट भी अपने नाम किए. कप्तान रजत पाटीदार भी टूर्नामेंट में छाए रहे, जिन्होंने 3 मैचों में 76 से ज्यादा की औसत से 382 रन बनाए. रजत की खास बात ये रही कि उनका स्ट्राइक रेट भी 96 से ज्यादा का रहा. यश राठौड़ ने टूर्नामेंट में 124 से ज्यादा की औसत से 374 रन बनाए. दानिश मालेवार ने भी 3 मैचों में 70 से ज्यादा की औसत से 352 रन ठोके.

हरियाणा की बॉक्सर बेटियों ने जीत ली दुनिया

चंडीगढ़. हरियाणा की बेटियों ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में देश को सोना-चांदी दिलाकर इतिहास रच दिया है। ब्रिटेन के लिवरपूल में आयोजित चैंपियनशिप में जैस्मिन लंबोरिया (57 किग्रा) और मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा) ने कड़े मुकाबलों में स्वर्ण पदक जीतकर विश्व चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। वहीं, नूपुर श्योराण (80 प्लस किलो) और पूजा रानी (80 किलो) ने गैर ओलंपिक भार वर्ग में क्रमश: रजत और कांस्य पदक प्राप्त किया। विदेशी सरजमीं पर महिला वर्ग में भारत का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। जैस्मिन, नूपुर और पूजा भिवानी की रहने वाली हैं, जबकि मीनाक्षी रोहतक से हैं।

जैस्मिन ने शनिवार रात पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता पोलैंड की जूलिया जेरेमेटा को 4-1 से हराकर फीदरवेट वर्ग में खिताब जीता। इसके बाद मीनाक्षी ने रविवार को पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता कजाखस्तान की नाजिम काइजेबे को 48 किग्रा वर्ग के फाइनल में इसी अंतर से हराया। भिवानी में जैस्मिन के पिता जयवीर, माता रविंद्र कौर और कोच संदीप ने मिठाई बांटकर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि बेटी ने दिन-रात मेहनत की है। उन्हें विश्वास था कि वह मेडल जरूर जीतेगी। उन्होंने कहा कि जैस्मिन हमेशा समय पर मैदान में पहुंचती है और कड़ा अभ्यास करती है। माता-पिता ने कहा कि वह खिलाड़ी बेटियों के परिजनों को कहना चाहेंगे कि अपने बच्चों पर विश्वास रखें और उन्हें खेलने का बेहतर माहौल उपलब्ध करवाएं।

नूपुर के पिता व कोच और पूजा बोहरा के कोच भीम अवॉर्डी संजय श्योराण ने बेटियों के मेडल से न केवल देश का गौरव बढ़ा है, बल्कि हरियाणा व भिवानी का नाम विश्व स्तर पर ऊंचा हुआ है। इसके लिए इन खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की थी। इस मौके पर भिवानी निवासियों ने मिठाई बांटकर बेटियों की जीत पर खुशी मनाई। जीत के बाद जैस्मिन ने कहा, 'मैं जो महसूस कर रही हूं उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। मैं पिछली दो विश्व चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल में हार गई थी, लेकिन विश्व कप जीत से मेरा हौसला बढ़ा और मैंने तय किया कि मुझे एकतरफा मैच जीतने हैं। मैंने बस अपनी रणनीति और खेल पर ध्यान केंद्रित किया।'

जैस्मिन और मीनाक्षी विश्व चैंपियन बनने वाली भारतीय मुक्केबाजों की सूची में शामिल हो गई हैं। इससे पहले छह बार की चैंपियन एमसी मेरीकोम, दो बार की विजेता निकहत जरीन, सरिता देवी, जेनी आरएल, लेखा केसी, नीतू घनघस, लवलीना बोरगोहेन और स्वीटी बूरा यह खिताब जीत चुकी हैं।

73 की उम्र में पावरलिफ्टिंग में कमाल

तेलंगाना. तेलंगाना में 73 वर्षीय एक बैंकर ने हृदय की बाईपास सर्जरी होने के बावजूद हाल ही में आयोजित राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में चार स्वर्ण पदक जीते हैं। डीवी शंकर राव ने अपनी उम्र को चुनौती देते हुए यह संदेश दिया कि अगर अनुशासन, मानसिक शक्ति और दृढ़ संकल्प हो तो सभी बाधाओं को पार किया जा सकता है।भद्राचलम के रहने वाले डीवी शंकर राव (73) देश में ऐसे पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने हृदय बाईपास सर्जरी होने के बावजूद राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भाग लिया और विजयी हुए। केरल के कोझिकोड में पिछले महीने 'पावरलिफ्टिंग इंडिया' के तत्वावधान में आयोजित इस चैंपियनशिप में एसबीआई से सेवानिवृत्त अधिकारी राव ने 83 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा की और पदक जीते। राव की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने पावरलिफ्टिंग का अभ्यास शुरू करने के छह महीने बाद ही यह पदक जीते हैं। राव ने कहा, 'मैं रोज सुबह टहलने जाता हूं और योग करता हूं। टहलने के दौरान मुझे मेरे एक दोस्त ने मेरे शरीर को देखते हुए मुझे जिम में प्रशिक्षण लेने और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। शुरुआत में मैं थोड़ा हिचकिचा रहा था क्योंकि मेरी हृदय की बाईपास सर्जरी हुई थी।' राव की 2012 में बाईपास सर्जरी हुई थी और उन्होंने इस साल फरवरी में पावरलिफ्टिंग का प्रशिक्षण शुरू किया था। उन्होंने कहा, 'जिम में आने वाले कुछ चिकित्सकों ने उन्हें पावरलिफ्टिंग जारी रखने की सलाह दी लेकिन सांस लेने में तकलीफ या बेचैनी महसूस होने की स्थिति में प्रशिक्षण बंद करने को कहा।'राव ने कहा कि वह अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए आवेदन नहीं कर सके क्योंकि वह तुरंत भुगतान के लिए धन जुटाने की स्थिति में नहीं थे।

योगेश कथुनिया की विश्व रिकॉर्ड चुनौती

नई दिल्ली. भारत पहली बार विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी की तैयारी कर रहा है, ऐसे में पैरालंपिक में पुरुषों की डिस्कस थ्रो F56 स्पर्धा में रजत पदक विजेता योगेश कथुनिया पहले से कहीं अधिक दृढ़ हैं। वह 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इस महामुकाबले में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करेंगे। चैंपियनशिप का यह संस्करण ऐतिहासिक है, न केवल इसलिए कि यह पहली बार भारत और दक्षिण एशिया में इस तरह का कोई वैश्विक पैरा एथलेटिक्स आयोजन हो रहा है, बल्कि इसलिए भी कि यह योगेश को घरेलू मैदान पर खेलने का लाभ और अपने ही लोगों के सामने अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने का मौका देता है। योगेश के लिए यह कोई साधारण प्रतियोगिता नहीं है। उनका पूरा परिवार वहां मौजूद होगा, उनका उत्साहवर्धन करेगा, हर टॉस और हर सांस का साक्षी होगा।

टेनिस की मदद के लिए सिर्फ पद पर काबिज होना ही एकमात्र रास्ता नहीं है: सानिया

दुबई. राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के अनुसार देश के प्रत्येक खेल महासंघ की 15 सदस्यीय कार्यकारी समिति में चार महिलाओं का होना अनिवार्य है लेकिन दिग्गज खिलाड़ी सानिया मिर्जा का मानना है कि युवा प्रतिभाओं को तराशने में उनकी भूमिका अखिल भारतीय टेनिस संघ में एक पद से कहीं अधिक है। खेलों में भारतीय महिलाओं के लिए पथ प्रदर्शक रहीं सानिया ने अपने दुबई स्थित आवास से पीटीआई से कई मुद्दों पर बात की जिनमें टेनिस में वेतन समानता से लेकर स्विट्जरलैंड के खिलाफ भारत की डेविस कप जीत शामिल रहीं जबकि उन्होंने 16 साल की माया राजेश्वरन रेवती की विशेष प्रतिभा पर भी बात की है।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह निकट भविष्य में खेल प्रशासन में दिखाई दे सकती हैं तो सानिया ने इसमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मदद करने के लिए उस शक्तिशाली पद पर होना ही एकमात्र तरीका है। ईमानदारी से कहूं तो मेरा यही जवाब है। अगर मुझे मौका मिले तो क्या मैं कर पाऊंगी, तो क्या मैं उस पद पर रहकर और योगदान दे पाऊंगी तो मैं ऐसा करना पसंद करूंगी। लेकिन क्या मैं इसका लक्ष्य बना रही हूं तो मेरा जवाब है, नहीं। क्योंकि यह मेरा लक्ष्य नहीं है।'

सानिया के लिए भारतीय टेनिस की अगली पीढ़ी के स्तर को बढ़ाने में मदद करने के लिए कोई पद पर बैठना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा, ''मेरा लक्ष्य युवा पीढ़ी के ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों और विशेषकर युवा लड़कियों की मदद करना है क्योंकि मुझे लगता है कि उनके पास ज्यादा आदर्श नहीं हैं जिनसे वे प्रेरणा ले सकें।' सानिया ने कहा, 'मैं अपने अनुभव साझा करना चाहती हूं। और अगर मुझे इसके लिए किसी तंत्र में शामिल होने का मौका मिलता है और इससे मुझे सिर्फ फोन पर बात करने या कोर्ट पर उनकी मदद करने या किसी भी तरह की अन्य चीज से ज्यादा मौके मिलते है तो मुझे ऐसा करने में खुशी होगी।' उन्होंने कहा, 'लेकिन मेरा फोकस इस पर नहीं है। यह मेरा लक्ष्य नहीं है।'सानिया के बाद भारत में महिला टेनिस में कौन उभरती हुई प्रतिभा है , यह पूछने पर उन्होंने माया राजेश्वरन रेवती का नाम लिया । माया स्पेन में राफेल नडाल अकादमी में ट्रेनिंग लेती हैं। सानिया ने कहा, 'माया में काफी प्रतिभा है। मेरे बाद कौन आएगा, यह ऐसा सवाल है जिससे हम शायद पिछले 25 साल से जूझ रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'तो एक 15-16 साल की युवा खिलाड़ी को आगे बढ़ते हुए देखना और अपने आयु वर्ग के ऊपर वर्गों में भी अपनी पकड़ बनाए रखते.

भारतीय टीम को चीन ने हराया

एशिया कप जीतने का सपना टूटा

नई दिल्ली. महिला एशिया कप हॉकी 2025 के फाइनल मैच में भारत की महिला हॉकी टीम को मेजबान चीन के हाथों 1-4 से हार का सामना करना पड़ा. भारतीय टीम दमदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन फाइनल मैच में वह अपनी फॉर्म को बरकरार नहीं रख सकी. भारतीय टीम ने इस मुकाबले में शानदार शुरुआत तो की, लेकिन दूसरे हाफ में चीनी टीम ने कमबैक करते हुए मैच को अपने पक्ष में मोड़ लिया.

मैच की शुरुआत भारत के पक्ष में रही. भारतीय टीम को महज पहले मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे दिग्गज फॉरवर्ड नवनीत कौर ने शानदार ड्रैग फ्लिक से गोल में बदल दिया. यह गोल भारतीय टीम को तुरंत बढ़त दिलाने वाला था, जिससे पूरे स्टेडियम में उत्साह की लहर दौड़ गई. नवनीत का यह शॉट न केवल ताकतवर था, बल्कि सटीकता का भी बेहतरीन नमूना था. लेकिन गोल के बाद चीन ने अपनी रफ्तार बढ़ा दी. पहले क्वार्टर में चौथे मिनट में उन्हें पेनल्टी कॉर्नर मिला, जहां सुनेलिता टॉप्पो ने गोललाइन पर शानदार ब्लॉक किया, उसके बाद गोलकीपर बिचू देवी ने एक और बचाव किया. 15वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर आया, लेकिन भारतीय फर्स्ट रशर ने चीनी हमले को नाकाम कर दिया.

दूसरे क्वार्टर में भी चीन ने लगातार दबाव बनाए रखा. 17वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे बिचू देवी ने रोका. हालांकि 21वें मिनट में चीन को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, और इस बार कप्तान ओउ जिक्सिया ने इसे बखूबी कन्वर्ट करते हुए बराबरी कर ली. हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 से बराबर रहा.

चौथे क्वार्टर में चीन ने अपनी बढ़त को और मजबूत कर लिया. 51वें मिनट में यिंग झांग ने सर्कल के अंदर सटीक पास दिया, जिसे जोउ मेइरोंग ने फर्स्ट टच से पोस्ट के सामने फिनिश करते हुए तीसरा गोल दाग दिया. महज दो मिनट बाद, 53वें मिनट में झोंग जियाकी ने दाहिने फ्लैंक से शानदार रन लगाया, सर्कल में कट किया और गोलकीपर को मात देते हुए चौथा गोल कर दिया. इन लगातार गोलों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया, और भारत को रिकवरी का मौका नहीं मिला.

दूसरे हाफ में चीन की वापसी

तीसरे क्वार्टर में भारत ने मजबूत वापसी की कोशिश की. उन्होंने चीनी टीम को उनके ही हाफ में कैद रखा और लगातार सर्कल में एंट्री की, लेकिन गोल नहीं कर सके. 40वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन कन्वर्शन न होने पर गेंद चीन के पास चली गई. चीनी टीम ने तेज काउंटर अटैक लॉन्च किया, और ली होंग ने अकेले दौड़ लगाते हुए बैक-हैंडेड शॉट से गोलकीपर को चकमा दिया. जिससे चीन 2-1 से आगे हो गया.

जैस्मिन के बाद मीनाक्षी ने भी जीता स्वर्ण पदक

कजाखस्तान की मुक्केबाज को दी मात

नई दिल्ली. भारत की मुक्केबाज जैस्मिन लंबोरिया के बाद मीनाक्षी हुड्डा ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लिया है। पहले जैस्मिन ने 57 किग्रा में सोना अपने नाम किया और फिर मीनाक्षी ने 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। भारत ने विदेशी सरजमीं पर महिला वर्ग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चार पदक अपने नाम किए। जैस्मिन ने पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता पोलैंड की जूलिया जेरेमेटा को हराकर फीदरवेट वर्ग का खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद डेब्यू कर रहीं मीनाक्षी ने पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता कजाखस्तान की नाजिम काइजेबे को 48 किग्रा वर्ग के फाइनल में 4-1 से हराकर जुलाई में विश्व कप में मिली हार का बदला चुकता किया। नुपूर शेरोन (80 प्लस किलो) और पूजा रानी (80 किलो) को गैर ओलंपिक भारवर्ग में क्रमश: रजत और कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत ने प्रतियोगिता में चार पदक जीते जो विदेशी सरजमीं पर उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

इस जीत के साथ जैसमीन और मीनाक्षी विश्व चैम्पियन बनने वाली भारतीय मुक्केबाजों की सूची में शामिल हो गई हैं। इससे पहले छह बार की चैंपियन एम सी मेरीकोम (2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), दो बार की विजेता निकहत जरीन (2022 और 2023), सरिता देवी (2006), जेनी आरएल (2006), लेखा केसी (2006), नीतू गंघास (2023), लवलीना बोरगोहेन (2023) और स्वीटी बूरा (2023) यह खिताब जीत चुकी हैं।

24 साल की मीनाक्षी बैकफुट पर सहज दिखीं और उन्होंने सीधे मुक्के जड़े जबकि कजाखस्तान की 31 वर्षीय अनुभवी मुक्केबाज पूरी आक्रामकता के साथ आगे बढ़ रही थीं।